A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 24 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 169, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार : नीतीश कुमार के बाद कौन? सबसे बड़ा सवाल

सीटू तिवारी

वर्षों से बिहार की राजनीति की धुरी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन बीजेपी और जेडीयू के नेताओं को अभी इसका अंदाज़ा नहीं है कि वो नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ पाएँगे या नहीं। इसकी प्रमुख वजह है नीतीश कुमार की ख़राब सेहत पर उठते सवाल और जेडीयू में उनके उत्तराधिकारी का संकट।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बिहार में कभी भी अपने दम पर सरकार नहीं बना पाई है।

जितने भी समय बीजेपी बिहार की सत्ता में रही है, वो जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के सहारे और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही रही है। इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या इन सबके बीच बीजेपी के लिए राज्य में कोई बड़ा मौक़ा है या नहीं? सवाल ये भी है कि क्या बिहार की मौजूदा स्थिति में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का पलड़ा भारी हो रहा है?

बिहार की राजधानी पटना के वीरचंद पटेल मार्ग स्थित जेडीयू दफ़्तर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर से पटा पड़ा है। इनमें से एक पोस्टर पर लिखा है- '2025 से 30, फिर से नीतीश।'

इस दफ़्तर में ऊपरी तौर पर सब कुछ ठीक लगता है। लेकिन थोड़ा सा कुरेदने पर पार्टी के भीतर बढ़ती निराशा सतह पर आ जाती है।

जैसा कि जेडीयू के एक नेता कहते हैं, 'बहुत कुछ छोड़कर हम लोग नेता (नीतीश कुमार) के चेहरे पर पार्टी में आए थे। लेकिन नीतीश जी के बाद पार्टी कौन संभालेगा? नेतृत्व को लेकर एकदम वैक्यूम है। हम अपने और पार्टी दोनों के भविष्य को लेकर आशंकित हैं।'

नीतीश के बाद कौन? ये एक ऐसा सवाल है, जिससे जेडीयू ही नहीं, बल्कि अन्य पार्टियाँ भी जूझ रही हैं। ये सवाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बिगड़ती सेहत के आईने में महत्वपूर्ण होता जा रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव और जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर कई बार नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर सवाल उठा चुके हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है 74 साल के नीतीश की ख़राब सेहत की ख़बरें।

जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक इन ख़बरों को ख़ारिज करते हैं। वो कहते हैं, 'इस उम्र में जो समस्याएँ सबको होती हैं, वही नीतीश कुमार को भी हो रही है। बीजेपी नेता संजय पासवान कहते हैं, 'उनकी तबीयत संबंधी ख़बरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है जबकि वो सारा कामकाज अच्छे से संभाल रहे हैं।' लेकिन राजद की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका भारती कहती हैं, 'नीतीश जी का स्वास्थ्य बहुत ख़राब हो रहा है। पार्टी में लीडरशिप के अभाव में जेडीयू के नेता ही पार्टी का विलय बीजेपी में कर देंगे।' हालांकि, शुक्रवार को जब पत्रकारों ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार से उनकी सेहत को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने ऐसी किसी भी बात को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका कहना था कि नीतीश कुमार 'शत-प्रतिशत' स्वस्थ हैं।

नीतीश कुमार की सेहत ने जेडीयू में नेतृत्व के सवाल को भी केंद्र में ला दिया हैं। जेडीयू साल 2003 में अस्तित्व में आई थी। समाजवाद को मूलमंत्र मानने वाली जेडीयू अपने 22 साल के इतिहास में नीतीश की छत्रछाया में ही रही।

यानी जेडीयू में 'नीतीश नाम केवलम्' ही रहा। हालांकि पार्टी में कुछ नेताओं का उभार समय-समय पर होता रहा।

साल 2024 में पूर्व आईएएस मनीष वर्मा का नाम उत्तराधिकारी के तौर पर उभरा था। नालंदा के रहने वाले मनीष वर्मा को पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिव बनाया और राज्य भर में कार्यकर्ता समागम करने की ज़िम्मेदारी सितंबर 2024 में दी। लेकिन दिसंबर 2024 में पार्टी ने उनके कार्यकर्ता समागम यात्राओं पर रोक लगा दी। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, विजय कुमार चौधरी और अशोक चौधरी। ये तीनों ही दूसरे दलों से जेडीयू में आए है। इनमें नीतीश कुमार का सबसे क़रीबी संजय झा को माना जाता है। हालाँकि उनके बारे में ये भी कहा जाता है कि वो गृह मंत्री अमित शाह के भी क़रीब हैं।

क्या इनमें से कोई नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी हो सकता है? इस सवाल पर जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक कहते हैं, 'क़रीबी होना एक चीज़ है और लीडरशिप अलग चीज़ है। जेडीयू में सभी समाज के लोग हैं. जब वक्त आएगा, तो जेडीयू सर्वसम्मति से कोई फ़ैसला लेगा।' दरअसल जेडीयू का कोर वोटर कुर्मी-कोइरी और अति पिछड़े हैं। जातिगत सर्वे के मुताबिक़ राज्य में अति पिछड़ों की आबादी 36 फ़ीसदी है, जो सबसे ज़्यादा है। ये तीनों ही नेता कुर्मी-कोइरी और अति पिछड़ा फ़्रेम में फ़िट नहीं बैठते हैं।

नेतृत्व की इसी गुत्थी को सुलझाने के लिए नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का नाम भी चर्चा में है। जेडीयू नेता और बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने हाल ही में कहा था, 'निशांत का राजनीति में आना अच्छी बात है' की पढ़ाई कर चुके निशांत के जेडीयू ज्वाइन करने और पार्टी के गढ़ हरनौत विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की चर्चा है। लेकिन 49 साल के निशांत ख़ुद भी कई मौक़ों पर इससे इनकार करते रहे हैं। नीतीश कुमार के क़रीबी बताते हैं, 'निशांत को पॉलिटिक्स में लाने की कोशिशें एक दशक से हो रही हैं, लेकिन उनका मन अध्यात्म में रमता है। पत्रकार अरुण श्रीवास्तव इसे सिर्फ़ नीतीश और निशांत की 'मर्ज़ी' के तौर पर नहीं देखते, बल्कि वो इसे 'पावर गेम' के नज़रिए से भी देखते हैं।

वो कहते हैं, 'किसी भी जाति को पावर चाहिए। इसमें निशांत फ़िट नहीं बैठते, क्योंकि उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता का अब तक कोई सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं किया है। ऐसे में जाति या जेडीयू का वोट बैंक उनके पीछे लामबंद नहीं होगा।'

ऐसे में ये अहम सवाल है कि जेडीयू का क्या होगा? इस पार्टी को बिहार के तीन प्रमुख दलों (जेडीयू, राजद, बीजेपी) में एक मध्यमार्गी पार्टी के तौर पर देखा जा सकता है। राजनीतिक विश्लेषक और टाटा इंस्टीटयूट ऑफ़ सोशल साइंस के पूर्व प्रोफ़ेसर पुष्पेन्द्र कहते हैं, 'नीतीश कुमार अगर नहीं रहेंगे, तो पार्टी का एक छोटा हिस्सा ही जेडीयू के तौर पर रह जाएगा। पार्टी का बड़ा हिस्सा बीजेपी और अनकम्फ़र्टेबल हिस्सा राजद में जाएगा।'

पत्रकार अरुण श्रीवास्तव कहते हैं, 'बीजेपी को बिहार की जातीय संरचना के चलते नीतीश का साथ किसी भी क़ीमत पर चाहिए। नीतीश के साथ नहीं रहने पर उसकी स्थिति 2015 जैसी हो जाती है। इसलिए पार्टी वेट एंड वॉच कर रही है।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

8वां इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2025

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे जीआईएस का शुभारंभ

भोपाल बनेगा औद्योगिक हब: 24 - 25 फरवरी को भोपाल होगा इंडस्ट्री लीडर्स का महामंच

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश निवेशकों, व्यवसायियों और उद्योगों के लिए 'अनंत संभावनाओं' के उद्देश्य से बहुप्रतीक्षित 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025' की मेजबानी करने के लिए तैयार है। 24-25 फरवरी, 2025 को भोपाल में पहली बार आयोजित होने वाली समिट मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक है। समिट के आयोजन से प्रदेश की राजधानी भोपाल, देश के सबसे बड़े निवेश सम्मेलन का केंद्र बन गई है और म.प्र. उद्योग हब बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को 2 दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का शुभारंभ करेंगे। भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में होने वाली इस समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों का शुभारंभ करेंगे और देश-विदेश से आए निवेशकों, उद्योगपतियों, प्रवासी भारतीयों और स्टार्ट-अप्स को संबोधित करेंगे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राज्य की 18 से अधिक नई नीतियों का अनावरण करेंगे। इसमें औद्योगिक, खाद्य, निर्यात, एमएसएमई, स्टार्ट-अप्स, जीसीसी, सेमी-कंडक्टर, ड्रोन, पर्यटन, फिल्म निर्माण नीति शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन से पहले राज्य की औद्योगिक और निवेश क्षमता को प्रदर्शित करने वाला 5 मिनट की वीडियो फिल्म प्रदर्शित की जाएगी।

समिट में सहभागिता के लिए 25 हजार से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। इनमें 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि भोपाल आ रहे है। इसमें राजदूत, उच्चायुक्त और महावाणिज्य दूत शामिल हैं। समिट में व्यापक पैमाने पर भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों को आकर्षित किया है।

समिट में भाग लेने वाले प्रमुख उद्योगपतियों में आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष श्री कुमार मंगलम बिड़ला, अडानी समूह के अध्यक्ष श्री गौतम अडानी, गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी श्री नादिर गोदरेज, रसना प्राइवेट लिमिटेड के समूह अध्यक्ष श्री पिरुज खंबाटा, भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी श्री बाबा एन कल्याणी, सन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के ग्लोबल हेड ऑफ ऑपरेशंस श्री राहुल अवस्थी और एसीसी लिमिटेड के सीईओ श्री नीरज अखौरी जैसे दिग्गज शामिल हैं।

जीआईएस-2025 में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और वस्त्र, खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यटन और खाद्य जैसे प्रमुख निवेश क्षेत्र विभिन्न सम्मेलनों के माध्यम से निवेशकों को अनंत संभावनाओं से परिचित कराएंगे।

टेक-इन्वेस्ट समिट- यह समिटराज्य को टेकसंचालित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संभावनाओं को उजागर करेगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट शहरों और डिजिटल परिवर्तन पर चर्चा होगी, जिसमें एक समर्पित एआई और आईटी स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन नीति का शुभारंभ होगा।

एमएसएमई और स्टार्ट-अप सत्र- मध्यप्रदेश का जीवंत एमएसएमई और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह शिखर सम्मेलन उद्यमियों, निवेशकों और औद्योगिक संगठनों को जोड़ता है।

गृह मंत्री शाह करेंगे 25 फरवरी को जीआईएस का समापन

जीआईएस के दूसरे दिन, 25 फरवरी को समापन में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन राज्य के विकास के संदर्भ में भविष्य की रूपरेखा पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद 'मध्यप्रदेश - अनंत संभावनाएं' नामक वीडियो की प्रस्तुति होगी, जिसमें राज्य की विशाल क्षमता और अवसरों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रमुख उद्योगपति सभा को संबोधित कर अपना विजन और अनुभव साझा करेंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का मुख्य संबोधन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी संबोधित करेंगे। दो दिवसीय निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग और प्रदेश के औद्योगिक निवेश संभावनाओं पर परस्पर चर्चा करेंगे।

भागीदार देश सत्र - शिखर सम्मेलन ने वैश्विक भागीदारी को आकर्षित किया है, जिसमें भागीदार देश विभिन्न सत्रों की मेजबानी कर रहे हैं। इनमें ग्लोबल साउथ, जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों और जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र शामिल हैं। कनाडा के साथ एक राउण्ड टेबल मीटिंग, पोलैंड के साथ एक कंट्री सेशन और एक बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र भी होगा।

विभागीय शिखर सम्मेलन- नवीनीकृत मध्यप्रदेश शिखर सम्मेलन, 'कुसुम' परियोजनाओं के लिए हस्ताक्षरित पॉवर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए), लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) वितरण और बीईएसएस परियोजना के साथ मुरैना सौर पर पूर्व-बोली बैठकों सहित हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

सुप्रभात

हर तरफ जब कोयलों के शव जलाए जा रहे हों
जब वचन के फूल मुर्दों पर चढ़ाए जा रहे हों
गुनगुना पाए न अल्हड़ सी नदी कोई तराना
हर लहर के होंठ पर पत्थर बिछाए जा रहे हों
क्या वही नवगीत गाने की अभी संभावना है?
सात जन्मों के लिए संकल्प माँगा जा रहा हो
एक क्षण से एक पूरा कल्प माँगा जा रहा हो
किस तरह कोई समर्पण से भरे सौगन्ध कोई
प्राण से जब देह का वैकल्प माँगा जा रहा हो
इस प्रणय में प्रीत पाने की अभी संभावना है?
अनछुई सी इक छुअन से मन अचानक डर रहा है
देखकर तस्वीर कोई, आंख का काजल बहा है
आज पहली बार यौवन देह को भारी लगा है
रूप ने पहली दफ़ा ही आज दरपन को सहा है
क्या तुम्हें भी भूल जाने की अभी संभावना है?
मीत मेरे सच बताना!

– मनीषा शुक्ला

भारत से हारा पाकिस्तान–चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकता है

● कोहली का 51वां वनडे शतक, इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे टॉप स्कोरर

दुबई। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने 2017 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली 180 रन की हार का हिसाब बराबर कर दिया। दुबई में रविवार को पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से विराट कोहली ने नाबाद 100, श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए। कुलदीप यादव को 3 और हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान से सऊद शकील ने 62 और मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। अबरार अहमद और खुशदिल शाह को 1-1 विकेट मिला। विराट वनडे में सबसे ज्यादा 158 कैच पकड़ने वाले भारतीय बने। उन्होंने पारी में 15वां रन बनाते ही सबसे तेज 14 हजार वनडे रन भी पूरे कर लिए। कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के तीसरे टॉप स्कोरर भी बन गए।

राष्ट्रवाद सबसे बड़ा धर्म इसमें राजनीति न हो

धनखड़ बोले-न्यायपालिका को संविधान में बदलाव का अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद को है, और किसी को नहीं। यहां तक की न्यायपालिका को भी नहीं। अगर कोई परिभाषा बनाने की जरूरत है तो सुप्रीम कोर्ट इस पर अपना विचार रख सकता है। कुछ मामलों में राज्य विधानसभाओं के संविधान में परिवर्तन करने का अधिकार है। संविधान जागरुकता वर्ष समारोह का उद्घाटन करते हुए धनखड़ ने कहा- संविधान के मौलिक अधिकार को हम जितना जानेंगे, उतना ही हम लोग राष्ट्रवाद की ओर आगे बढ़ेंगे। उपराष्ट्रपति ने भारत में वोट परसेंटेज बढ़ाने के लिए यूएसए के फंडिंग के खुलासे पर कहा कि देश के सामने कई चुनौतियां है। बाहर से फंडिंग करके देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपवित्र बनाया जा रहा है। इन फंडिंग का उपयोग पसंदीदा लोगों को चुनाव जिताने के लिए किया जा रहा है। यह खतरनाक है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धनखड़ ने कहा,हमारे संविधान के बारे में जागरुकता आज की सबसे बड़ी जरूरत है। हमारे संविधान निर्माता तपस्वी थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। वे ऐसा संविधान बनाना चाहते थे जो सभी की एक्सपेक्टेशन को पूरा करे। उन्होंने चुनौतियों का समाधान सार्थक बातचीत और हाई लेवल बहस के जरिए किया, न कि बहिष्कार के जरिए। उन्होंने लोकतंत्र के मंदिर की प्रतिष्ठा को कभी कम नहीं होने दिया।

बातचीत से ही हर समस्या का समाधान

संसद की कार्यवाही में डिस्टरबेंस को लेकर कहा कि यदि सदन चलने नहीं दिया गाय तो लोगों के पास चर्चा के माध्यम से मुद्दों को हल करने का कोई रास्ता नहीं होगा। उन्होंने कहा, जब बातचीत से हर समस्या का समाधान हो सकता है तो लोकतंत्र के मंदिरों पर इतना दबाव क्यों है। लोगों द्वारा चुने गए लोगों को अपने कर्तव्यों का सही से पालन करना चाहिए। राष्ट्रवाद को अपना धर्म और भारतीयता को अपनी पहचानी बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाना उस काले क्षण को याद करने के लिए भी है, जब 25 जून 1975 को तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने इमरजेंसी की घोषणा की थी। जिससे देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ था। धनखड़ ने कहा,देश के 9 हाई कोर्ट ने एक आवाज में कहा था कि आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों पर रोक नहीं लगाई जा सकती। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इन 9 अदालतों के फैसलों को पलट दिया।

पीएम मोदी ने बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का किया शिलापूजन

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा को गाली देते हैं : पीएम मोदी

भोपाल/ छतरपुर (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में कहा- नेताओं का एक दल ऐसा है, जो धर्म का मखौल उड़ाता है। ये हमारे पर्व और परंपराओं को गाली देते रहते हैं। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। ये हमारी मान्यताओं, संस्कृति और मंदिरों पर हमला करते रहते हैं। विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का डिजिटल शिलान्यास किया। इससे पहले धीरेंद्र शास्त्री ने पीएम नरेंद्र मोदी को बालाजी का विग्रह भेंट किया। उन्होंने सनातन धर्म पर लिखी किताब और स्मृति चिह्न भी भेंट किया। पीएम ने बागेश्वर धाम में बालाजी के दर्शन भी किए।

पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री की माता जी की पर्ची निकाली। इसके बारे में धीरेंद्र शास्त्री ने मंच पर कहा कि प्रधानमंत्री जी माता जी से कह रहे थे कि आपके मन में ब्याह की बात चल रही है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमने माता जी के प्रति प्रधानमंत्री मोदी जी का भाव देखा तो प्रण लिया कि प्रधानमंत्री जी की माता जी के नाम से इस अस्पताल में एक वार्ड बनाया जाएगा। मोदी बोले- मैंने आज पहली पर्ची निकाली । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज मैं हनुमान दादा के चरणों में आया तो मुझे लगा क्या ये धीरेंद्र शास्त्री अकेले ही पर्ची निकालेंगे या मैं निकाल पाऊंगा। मैंने देखा कि आज हनुमान दादा की मुझ पर कृपा होती है या नहीं होती है, तो हनुमान दादा जी ने मुझे आशीर्वाद दिया और मैंने आज पहली पर्ची निकाली, उनकी माता जी की पर्ची निकाली।

कैंसर से सुरक्षा के लिए सावधान और जागरूक होना पड़ेगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि कैंसर से सुरक्षा के लिए आपको भी सावधान और जागरूक होना पड़ेगा। समय से कैंसर की पड़ताल हो। एक बार कैंसर फैल गया तो ठीक करना मुश्किल हो जाता है। थोड़ी सी भी शंका हो तो जांच करानी है। कैंसर किसी को छूने से नहीं होता है। ये छुआछूत की बीमारी नहीं है। कैंसर का खतरा, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और मसाले से बढ़ता है। इसलिए कैंसर फैलाने वाले इन सब नशे से आपको दूर रहा है। औरों को भी दूर रखना है।

एकता के महाकुंभ में नेत्र महाकुभ चल रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को एकता का महाकुंभ कहा। उन्होंने कहा कि एकता के इस महाकुंभ में नेत्र महाकुंभ चल रहा है। इसमें देशभर से आए हुए लोगों की आंखों की जांच मुफ्त में होती है। यहां अब तक 2 लाख से ज्यादा भाई-बहनों की आंखों की जांच हो चुकी है। डेढ़ लाख लोगों को निशुल्क दवाई और चश्मे दिए गए हैं। कुछ लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की जरूरत थी, तो यहां से अच्छे अस्पतालों में भेजकर करीब 16 हजार ऑपरेशन के लिए भेजा गया। एक भी पैसा खर्च किए बिना इनके ऑपरेशन किए गए हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 24 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

टनल में फंसीं 8 जिंदगियां, नहीं मिल रही लोकेशन

तेलंगाना में मजदूरों को बचाने सेना भी उतरी, रेस्क्यू जारी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे आठ मजदूरों को बचाने का अभियान लगातार जारी है। हालांकि, बचाव कार्य चुनौतियों से भरा हुआ है, क्योंकि सुरंग में पानी भरा हुआ है और इसकी छत दो बार ढह चुकी है। मौके पर मौजूद बचाव दल और विशेषज्ञों ने बताया कि मजदूरों तक पहुंचने के लिए पहले पानी निकालना होगा। सुरंग को कृष्णा नदी के पानी को नलगोंडा जिले तक पहुंचाने के लिए बनाया जा रहा था और यह परियोजना पिछले पांच वर्षों से चल रही है। बचाव दल ने बताया कि सबसे पहले सुरंग में भरे पानी को बाहर निकालना होगा, ताकि आगे का कार्य शुरू किया जा सके। इसके लिए 100 हॉर्सपावर और 70 हॉर्सपावर के दो पंप लगाए गए हैं, जिससे पानी को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सुरंग के चारों ओर पानी है, और ऊपर की पहाड़ियों से लगातार पानी रिस रहा है। इसी रिसाव को रोकने के लिए बनी सुरंग की छत ढह गई, जिससे यह हादसा हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, सुरंग में करीब 13.5 किलोमीटर अंदर मजदूर फंसे हुए हैं। सुरंग का व्यास 9.5 फीट है, जो इसे एक बड़ा स्ट्रक्चर बनाता है। बचाव दल ने बताया कि

पानी निकालने के बाद, खुदाई के लिए उपयोग की जाने वाली कन्वेयर बेल्ट के जरिए लोगों को सुरंग के अंदर भेजने की योजना है। इसके अलावा, ड्रोन की मदद से सुरंग के भीतर का जायजा लिया जाएगा, ताकि अंदर जाने वाले कर्मियों को अनावश्यक जोखिम से बचाया जा सके। बचाव कार्य में एक बड़ी चुनौती यह भी है कि सुरंग के ऊपर मोटी चट्टानों की चादरें हैं, जिससे ड्रिलिंग कर मजदूरों तक पहुंचना लगभग असंभव हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग की छत ढहने की घटनाएं दो बार हो चुकी हैं, जिससे इसकी स्थिरता पर भी सवाल खड़ा हो गया है। घटना के समय सुरंग में कुल 50 लोग थे, लेकिन पहली बार चट्टान ढहने के बाद 42 लोग बाहर निकलने में सफल रहे। हालांकि, जैसे ही वे पीछे हट रहे थे, करीब 150 मीटर की दूरी पर एक और चट्टान ढह गई, जिससे आठ मजदूर अंदर ही फंस गए। फंसे हुए मजदूरों की पहचान उत्तर प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के नागरिकों के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश से मनोज कुमार और श्री निवास, झारखंड से संदीप साहू, जगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू, जम्मू-कश्मीर से सनी सिंह और पंजाब से गुरप्रीत सिंह शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग के अंदर वेंटिलेशन सिस्टम काम कर रहा है, जिससे मजदूरों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल रही है। बचाव अभियान को लेकर मेडिकल टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। डॉक्टर और एम्बुलेंस मौके पर मौजूद हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता दी जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग में फंसे मजदूर एक 15 मीटर के कार्य क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जहां उनके बचाव के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बचाव दल पूरी सावधानी से काम कर रहा है, ताकि मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

केंद्र और किसानों की छठी बैठक भी बेनतीजा

- किसान 23 फसलों पर एमएसपी की मांग पर अड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और अन्य मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर जारी किसानों के आंदोलन के बीच संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर राजनीतिक की केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चंडीगढ़ में हुई छठी बैठक भी बेनतीजा रही। ढाई घंटे चली मीटिंग में कोई हल नहीं निकला। अब अगली मीटिंग 19 मार्च को होगी। बैठक में

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल मौजूद रहे। पंजाब सरकार की ओर से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और फूड प्रोसेसिंग मंत्री लालचंद कतरूचक भी शामिल थे। किसान नेताओं के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटडा, सुखजीत सिंह, अरुण सिन्हा, लखविंदर सिंह, जसविंदर लोंगोवाल, एमएस राय, नंद कुमार, बलवंत सिंह बेहरामके और इंद्रजीत सिंह कोटबुढ़ा मौजूद रहे।

अस्थमा अटैक के बाद पोप की हालत और गंभीर

- दर्द बढ़ा, खून भी चढ़ाया गया इटली पीएम मिलने पहुंचीं

रोम (एजेंसी)। अस्थमा अटैक के बाद पोप फ्रांसिस की हालत शनिवार को एक बार फिर गंभीर हो गई। इस वजह से उन्हें

ऑक्सीजन के हाई फ्लो की जरूरत पड़ी। डॉक्टरों ने 21 फरवरी (शुक्रवार) को उन्हें खतरे से बाहर बताया था और कहा था कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। कैथलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस (88 साल) को फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा है।

पाकिस्तान में होली खेलने वाले हिंदू-मुस्लिम छात्रों पर एफआईआर

- कराची यूनिवर्सिटी ने कैंपस में एंट्री पर लगाया बैन, थमा दिया नोटिस

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में कराची की दाऊद यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में होली खेलने पर हिंदू और मुस्लिम छात्रों पर एफआईआर दर्ज करा दी गई है। 21 फरवरी को दोनों समुदाय के कुछ छात्रों ने यूनिवर्सिटी परिसर में होली का त्योहार मनाया था। इसके कुछ वीडियो भी सामने आए। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने होली खेलने वाले छात्रों को शोकॉज नोटिस जारी कर उनकी कैंपस में एंट्री तक बंद कर दी।

दिल्ली विधानसभा में आतिशी होंगी विपक्ष की नेता

एएपी विधायक दल ने पूर्व सीएम के नाम पर लगाई मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने कालकाजी विधायक आतिशी को दिल्ली विधानसभा के लिए नेता विपक्ष के नाम पर मुहर लगाई है। विधायक दल की बैठक में यह फैसला हुआ है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पार्टी के 22 विधायक विधायक दल की मीटिंग में मौजूद थे, जिसमें आतिशी के नाम पर सबने अपनी रजामंदी दी है। दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा। तीन दिवसीय सत्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने कहा है कि पिछली आप सरकार के प्रदर्शन के खिलाफ लंबित कैग रिपोर्ट को सदन में पेश किया जाएगा। इस बार के चुनाव में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित पार्टी के कई शीर्ष नेता भी चुनाव हार गए।

भोपाल में सरेराह युवक का अपहरण-सुनसान गली में ले जाकर की मारपीट; निगरानी गुंडा है आरोपी, केस दर्ज

भोपाल। भोपाल के पिपलानी इलाके में सरेराह ऑटो चालक के अपहरण का मामला सामने आया है। पिपलानी थाने के निगरानी गुंडा मुश्ताक खान ने उसे अगवा कर जहांगीराबाद की एक सुनसान गली में ले जाकर मारपीट की। घटना 14 फरवरी की है, लेकिन शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने शनिवार रात को एफआईआर दर्ज की। आरोपी अब तक फरार है।

चाकू दिखाकर धमकाया, बाइक पर बैठाया- टीआई अनुराग लाल के अनुसार, पीड़ित कौशलेंद्र यादव (45) के चार ऑटो हैं। वह खुद ऑटो चलाने के साथ-साथ अन्य ड्राइवरों को भी ऑटो चलवाने का काम करते हैं। वह एफ सेक्टर में रहते हैं और 14 फरवरी की रात करीब नौ बजे सवारी के इंतजार में खड़े थे। तभी आरोपी मुश्ताक खान वहां पहुंचा और तंज कसते हुए कहा, तेरा भाई फौज में है तो बहुत जोर दिखाता है? इसके बाद उसने चाकू निकालकर धमकाया और कॉलर पकड़कर जबरन बाइक पर बैठा लिया।

जीआईएस में पर्यटन में निवेश की संभावनाओं के लिये खुलेंगे नए द्वार

टूरिज्म समिट में शामिल होंगे अभिनेता पंकज त्रिपाठी, केंद्रीय पर्यटन मंत्री, सचिव सहित कई नामचीन हस्तियां

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिये संभावनाएं के नए द्वार खुलेंगे। आयोजन के दूसरे दिन 25 फरवरी को फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश के निर्माण में पर्यटन और संस्कृति के योगदान और अवसरों पर एक परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इसमें केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र शेखावत, सचिव, पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार सुश्री वी विद्यावति, प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला, इतिहासकार पद्मश्री के.के. मोहम्मद, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री अजीत बजाज, अभिनेता श्री पंकज त्रिपाठी, कार्यकारी उपाध्यक्ष इंडियन होटल्स कंपनी लि. श्री रोहित खोसला, हेड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स एंड कॉर्पोरेट एफेयर्स मेक माई ट्रिप श्री समीर बजाज, निदेशक जेहनुमा होटल्स श्री अलि राशिद, अभिनेता श्री विजय विक्रम सिंह अपने विचार व्यक्त करेंगे।

पर्यटन अधोसंरचनाओं का विकास हो या फिर पर्यटकों की सुविधाओं में विस्तार, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग ने विभिन्न स्तर पर तैयारियां की है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं में कुल 1000 हेक्टेयर से अधिक भूमि चिह्नित की है। निवेशकों को इन स्थानों पर होटल, रिसॉर्ट, गोल्फ कोर्स, वे-साइड एमिनिटिज इत्यादि परियोजनाएं शुरू करने पर नई पर्यटन नीति में प्रोत्साहन दिया जाएगा।

रोप-वे से लेकर क्रूज में निवेश का अवसर- पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (पीपीपी) परियोजनाओं में हनुवंतिया, मांडू, ओरछा, अमरकंटक सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर टेंट सिटीज, कारवां पर्यटन, रोपवे, गोल्फ कोर्स और स्टैचू ऑफ वननेस (ओंकारेश्वर) और स्टैचू ऑफ यूनिटी (केवड़िया, गुजरात) को जोड़ने वाले क्रूज पर्यटन के लिए निवेश के अवसर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आईटीसी के चेयरमैन पुरी एवं सीआईआई और एक्सिस बैंक के प्रतिनिधियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से रविवार को आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं भारतीय उद्योग परिसंघ (कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज - सीआईआई) के प्रेसिडेंट श्री संजीव पुरी, सीआईआई के

डायरेक्टर जनरल श्री चंद्रजीत बैनर्जी, रीजनल डायरेक्टर श्री राजेश कपूर एवं श्री अनिरुद्ध चौहान ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की। इस दौरान औद्योगिक विकास और परस्पर व्यापारिक सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एक्सिस बैंक, मुंबई के वाइस प्रेसिडेंट श्री संदीप ओतुरकर व अन्य अधिकारियों ने भी समत्व भवन में ही मुलाकात की। बैठक में वित्तीय क्षेत्र में सहयोग और प्रदेश में बैंकिंग सुविधाओं के आवश्यकतानुसार विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया।

हमला या गलती! सीएम की सुरक्षा में फिर चूक

हरियाणा के सीएम नायब सैनी पर फूलों के साथ फेंका मोबाइल

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की सुरक्षा में फिर से चूक हुई है। इस बार यह घटना फरीदाबाद में घटी। रविवार को बीजेपी की मेयर उम्मीदवार प्रवीण जोशी के लिए रोड शो चल रहा था। इसी दौरान किसी ने सीएम

- फरीदाबाद में रोड शो के दौरान हुआ हादसा, गाड़ी से टकराकर गिरा

नायब सैनी की गाड़ी की तरफ मोबाइल फोन फेंक दिया। हालांकि ये फोन सीएम तक नहीं पहुंचा। गाड़ी से टकराकर मोबाइल नीचे गिर गया। सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए और फोन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस का कहना है कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था। लोग सीएम पर फूल बरसा रहे थे उसी दौरान किसी के हाथ से फोन छूट गया। सुरक्षाकर्मियों ने फोन उठा लिया और जिसका था उसे वापस कर दिया।

हालांकि, पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान नहीं बताई। यह पहली बार नहीं है जब सीएम सैनी की सुरक्षा में चूक हुई है। 19 फरवरी को चंडीगढ़ में भी ऐसा ही हुआ था। पंजाब भवन के बाहर गेट बंद होने के कारण उनका काफिला 15 मिनट तक रुका रहा।

पुणे में कर्नाटक की बस पर लिखा- जय महाराष्ट्र

कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस सर्विस पर ब्रेक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बस सेवाएं रोक दी गई हैं। यह फैसला महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने मिलकर लिया है। पूरा विवाद दोनों राज्यों के बस ड्राइवर और कंडक्टर की पिटाई से जुड़ा है। दरअसल 21 फरवरी को कर्नाटक के बेलगावी में मराठी में बात नहीं करने पर कुछ लोगों ने बस कंडक्टर महादेव हुक्केरी को पीटा था। यह इलाका महाराष्ट्र के बॉर्डर से लगता है। अगले दिन 22 फरवरी को कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के गुइलाल में महाराष्ट्र राज्य सड़क

परिवहन निगम के बस ड्राइवर भास्कर जाधव पर हमला किया गया। बस कंडक्टर महादेव हुक्केरी ने बताया था कि मैं जब टिकट काट रहा तभी बस में एक महिला और एक पुरुष बैठे थे। पुरुष के साथ बैठी महिला ने मुफ्त में दो टिकट मांगी, मैंने उसे एक दे दिया और पूछा आप दूसरी टिकट किसके लिए चाहते हैं। महिला ने पुरुष की ओर इशारा किया। मैंने बताया कि कर्नाटक में पुरुषों के लिए बस में मुफ्त सफर की सुविधा नहीं है तो उन्होंने मुझसे मराठी में बात करने को कहा। मैंने कहा कि मुझे मराठी नहीं आती है। मैंने उनसे कन्नड़ में बात करने को कहा। इतने पर ही बस में सवार 6-7 लोगों ने हमला कर दिया।

कोई अज्ञानता में खुश हो तो बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता

- थरूर बोले-बुद्धिमान होना कभी-कभी मूर्खता कहलाती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की तारीफ के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के बीच अनबन बढ़ गई है। इस बीच थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा बुद्धिमान होना कभी-कभी मूर्खता कहलाती है। थरूर ने अंग्रेजी कवि थॉमस ग्रे की कविता ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट

ऑफ ईटन कॉलेज का एक कोट शेयर किया था। इसमें लिखा था-जहां लोगों को अज्ञानता में खुशी मिलती है, वहां बुद्धिमानी दिखाना मूर्खता है। शशि थरूर ने 18 फरवरी को दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी में किनारे किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, मुझे संसद में महत्वपूर्ण बहसों में बोलने का मौका नहीं मिलता।

नीतिश की प्रगति यात्रा से एनडीए में पैदा हुआ 'यू' फैक्टर

समय से पहले भी हो सकते हैं बिहार विधानसभा के चुनाव

पटना (एजेंसी)। नीतिश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा का समापन करते हुए बिहार में संभावित समयपूर्व चुनाव के संकेत दिए, जबकि एनडीए ने बिहार में सकारात्मक शासन पर जोर देते हुए तैयारी व्यक्त की। विपक्ष द्वारा उनके स्वास्थ्य के बारे में लगाए जा रहे तमाम तरह के कयासों के बीच मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को सभी 38 जिलों की अपनी दो महीने की प्रगति यात्रा पूरी कर ली और रविवार को जदयू के वरिष्ठ नेता और नीतिश के मंत्रिमंडल के सहयोगी विजय कुमार चौधरी ने कहा कि एनडीए किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार है। उन्होंने बिहार में समय से पहले चुनाव की

- प्रगति यात्रा का बड़ा संदेश, बिहार में एनडीए पर बढ़ा प्रभाव

संभावना का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए किसी भी समय तैयार है। राज्य में चुनाव कब होने चाहिए, यह चुनाव आयोग को तय करना है। चुनाव का निर्धारित समय अक्टूबर-नवंबर है। गठबंधन के घटकों के बीच एकजुटता और यात्रा से पैदा हुई सकारात्मक भावनाओं ने विपक्ष के पैरों के नीचे से जमीन खींच ली है और यही कारण है कि वे वही भाषा बोल रहे हैं जो वे ही बोल सकते हैं। सच्चाई यह है कि बिहार में नीतिश कुमार का कोई विकल्प नहीं है और लोगों को यह एहसास है, जबकि विपक्ष को भी यह बात पता है। सियासी जानकारों के मुताबिक बिहार एनडीए नेताओं में उत्साह एक खास फैक्टर की वजह से आया है। वो फैक्टर 'यू' है। बीजेपी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व की वो मंशा सफल हो गई है, जिसकी वजह से उन्होंने डॉ. दिलीप जायसवाल को बिहार का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था।

शौचालय बोलकर सीमा पर बंकर बना रहा पाकिस्तान

- बीएसफ ने किया विरोध, कहा-हटाया नहीं तो तबाह कर देंगे

बाड़मेर (एजेंसी)। राजस्थान के बाड़मेर में पाकिस्तान से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक इमारत विवाद का नया विषय बन गई है। सीमा से 150 गज के अंदर किया गया यह निर्माण देखने में बंकर जैसा लग रहा था लेकिन दावा है कि यह शौचालय था। बीएसएफ ने बीते सोमवार को इस अवैध निर्माण को पकड़ा। अधिकारी ने कहा कि बाड़मेर जिले में गदरा नामक एक जगह है, जहां से अंतरराष्ट्रीय सीमा गुजरती है। सोमवार को जवानों ने अवैध निर्माण देखा, जो सीमा के 150 गज के भीतर है। इसके बाद जूनियर अधिकारियों की एक फ्लैग मीटिंग तुरंत आयोजित की गई, जिसमें पाकिस्तान ने इस बात से इनकार किया कि निर्माण 150 गज के भीतर था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे जवानों के लिए एक अस्थायी शौचालय का निर्माण कर रहे थे, और यह कोई बंकर या निगरानी चौकी नहीं थी। यह झूठ था, इसलिए हमारे कमांडर ने तुरंत एक विरोध नोट जारी किया। सीमा के 150 गज के भीतर जो कुछ भी है, उसे नो मैन्स लैंड माना जाता है। इस इलाके में इमारत या निर्माण कार्य की अनुमति नहीं है। लोगों के अनुसार, बंकर का निर्माण रात के समय किया गया था। पिछले सोमवार को बीएसएफ जवानों ने इसे देखा। यह सीमा से 100 गज की दूरी पर बनाया गया था।

॥ मंदिरम् ॥

43

चामुंडेश्वरी शक्तिपीठ, कर्नाटक

चामुंडेश्वरी शक्तिपीठ एक हिंदू मंदिर है जो भारत के कर्नाटक राज्य के मैसूर के महल शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर चामुंडी ढलानों के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित है। मंदिर का नाम चामुंडेश्वरी या शक्ति के क्रूर रूप के नाम पर रखा गया है, जो मैसूर के महाराजा द्वारा बहुत लंबे समय तक पूजित एक संरक्षक देवता थे। चामुंडी पहाड़ियों के शीर्ष पर स्थित चामुंडेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर मैसूर का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है क्योंकि देवी चामुंडी या चामुंडेश्वरी मैसूर की अधिष्ठात्री देवी हैं। चामुंडेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर को एक शक्तिपीठ और 18 महाशक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इसे क्रौंचा पीठम के नाम से जाना जाता है क्योंकि इस क्षेत्र को पौराणिक काल में क्रौंचा पुरी के नाम से जाना जाता था। कर्नाटक में देवी चामुंडेश्वरी को नाद देवाथे के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि वह राज्य के लोगों को बुराई से बचाती हैं। यह मंदिर 1,000 साल से भी ज्यादा पुराना है। पहले देवी का मंदिर छोटा था, लेकिन समय के साथ यह एक बड़े मंदिर में बदल गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्किंग प्लान

भोपाल (नप्र)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 24 एवं 25 फरवरी को आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल हो रहे अतिथियों के वाहनों के लिये पहले ही पार्किंग की व्यापक व्यवस्था की गई है। साथ ही आयोजन स्थल से वाहनों के निकास की व्यवस्था भी दुरुस्त की गई है। वाहनों की पार्किंग जारी किए गए पास के मुताबिक की गई है। अतिथियों के वाहन पार्किंग में रोक दिए जाएंगे और वहां से आयोजन स्थल तक जाने के लिए ई-बस और कार की व्यवस्था की गई है। तीन प्रकार की ई-बस के अतिरिक्त 973 कार भी इसमें शामिल हैं।

पार्किंग व्यवस्था इस प्रकार होगी

गवर्नमेंट ऑफिशियल्स : स्मार्ट सिटी पार्किंग और वीआईपी पार्किंग नंबर 2 में व्यवस्था होगी। अधिकारी अपने वाहन से आयोजन स्थल तक जा सकेंगे।

गेस्ट ऑफ़ ऑनर (फाइव स्टार कैटेगरी) : वीआईपी पार्किंग नंबर वन। यहां से एमपीआईडीसी द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

गेस्ट ऑफ़ ऑनर (अन्य): 23वीं बटालियन ग्राउंड। अपने वाहन से जा सकेंगे।

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पीएम मोदी ने की 208 नेताओं के साथ बैठक

भोपाल (नप्र)। छतरपुर के बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास करने के बाद पीएम मोदी भोपाल पहुंचे। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार पहुँचने पर सीएम समेत कई विधायकों ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी राजधानी में बीजेपी विधायकों, सांसदों और चुनिंदा पदाधिकारियों की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुई। इस बैठक में राज्य सरकार के सारे मंत्री, विधायक, सांसद और पार्टी के सीनियर नेता मौजूद थे। हालांकि इस बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मौजूद नहीं हैं। शिवराज सिंह चौहान बिहार दौरे पर हैं।

बैठक में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया-केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस बैठक में शामिल ते। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर भी इस बैठक में शामिल नहीं है। इस सीक्रेट मीटिंग में किसी भी नेता को मोबाइल फोन लेकर जाने की अनुमति नहीं है। गेट पर एक एसडीएम और बीजेपी पदाधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। इस मीटिंग में केवल वही नेता शामिल होंगे जिनको पास दिया गया है। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पीएम मोदी मंच से संबोधित करने के बाद राउंड टेबल पर बैठे विधायकों, सांसदों से मुलाकात कर चर्चा करेंगे।

जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी किसी भी टेबल पर जाकर वहां बैठे विधायक, सांसद या मंत्री से राज्य और केंद्र सरकार की योजना, राज्य सरकार की योजना, उनके क्षेत्र में योजनाओं की पहुंच के विषय में पूछ सकते हैं। इस मीटिंग को टॉप सीक्रेट रखा गया है। मीटिंग में जाने से पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया से चर्चा की लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

कुल 208 लोग शामिल-पीएम मोदी के साथ मीटिंग में विधायक, सांसद, पदाधिकारी समेत केवल 208 लोग मौजूद थे। सत्ता और संगठन के लोगों के बीच पीएम मोदी सीधा संवाद था,पीएम मोदी यहां नेताओं को नया टॉस्क भी दे सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चा थी सरगर्म - पीएम मोदी इस बैठक में राज्य के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा पीएम मोदी की बैठक के बाद हो सकती है। हालांकि इस संबंध में किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ल ने अगवानी कर स्वागत किया।

ट्रॉले में घुसी बोलेरो, 4 की मौत, 2 गंभीर

डेढ़ साल की बच्ची को खरोंच भी नहीं आई; युवती के जहर खाने पर अस्पताल जा रहे थे

खंडवा (नप्र)। खंडवा में एक बोलेरो ट्रॉले में घुस गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। दो की हालत गंभीर है। डेढ़ साल की बच्ची को खरोंच तक नहीं आई। हादसा शनिवार देर रात पुनासा-सनावद हाईवे पर हुआ। ट्रॉला ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

सामने से आ रहे ट्रक से टकराई, 3 की मौत-इधर, मऊगंज में रविवार सुबह 9 बजे एक कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, 2 गंभीर घायल हैं। कार सवार प्रयागराज कुंभ से महाराष्ट्र के महाबलेश्वर लौट रहे थे।

मां गंभीर घायल, डेढ़ वर्षीय बच्ची सकुशल- खंडवा पुलिस के मुताबिक, सक्तापुर गांव की रहने वाली सुकन्या ने जहर खा लिया था। शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे परिजन उसे बोलेरो से सनावद अस्पताल के लिए रवाना हुए। सनावद और सुलगांव के बीच पेट्रोल पंप के पास बोलेरो सामने से आ रहे ट्रॉले में घुस गई। सुकन्या (23), उसका भाई पवन (25), जीजा धर्मेंद्र (32) और दोस्त बिट्टू चौहान (25) की मौके पर मौत हो गई। बड़ी बहन संगीता और दोस्त बिट्टू के भाई राजा की हालत गंभीर है। बोलेरो में संगीता की डेढ़ वर्षीय बेटी भी सवार थी, जो कि सकुशल है।

रॉन्ग साइड से आ रहा था ट्रॉला-ट्रॉला थर्मल प्लांट से राखड़ ले जाकर लौट रहा। बताया जा रहा है कि ट्रॉला काफी स्पीड में और रॉन्ग साइड से आ रहा था। देर रात सामने से आ रही बोलेरो ट्रॉले में टकरा गई। धनगांव पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक और घायलों को सनावद अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर घायलों को इंदौर रेफर कर दिया गया।

प्रेम प्रसंग में युवती ने खाया था जहर-धनगांव पुलिस के मुताबिक, युवती के जहर खाने की वजह अभी सामने नहीं आई है। इधर, ग्रामीणों का कहना है कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हुआ है। सुकन्या की शादी ढाई महीने पहेल रावत पलासिया में हुई थी। बिट्टू चौहान उसका प्रेमी था।

सुकन्या के पति शुभम ने बताया 14 दिसंबर 2024 को हमारी शादी हुई थी। हम पति-पत्नी के बीच कोई विवाद नहीं था। सुकन्या शिवरात्रि के लिए मायके गई हुई थी। वहां से शनिवार रात साले पवन ने फोन कर बताया कि उसने कोई दवाई पी ली है। उसे सनावद ले जा रहे हैं। मैं भी सनावद पहुंचा। कुछ देर बाद वहां पत्नी और साले की लाश मिली।

खजुराहो नृत्य समारोह

नवाचारों से निखरे आयोजन में बिखरे शास्त्रीय नृत्यों के रंग

खजुराहो। अपने अनुपम स्थापत्य और मिथुन मुद्राओं के लिए विश्वविख्यात खजुराहो मंदिरों के आंगन- चौबारे इन दिनों कला मर्मज्ञों और रसिकों की उत्साह व उमंग भरी भागीदारी से निनादित है। यहां मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के तहत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी के वार्षिक प्रतिष्ठा आयोजन खजुराहो नृत्य समारोह की धूम मची है। 20 से 26 फरवरी तक आयोजित भारतीय शास्त्रीय नृत्यों पर एकाग्र इस समारोह में जहां मंच से कला साधक नृत्य कला के अनूठे रंग बिखेर रहे हैं, वहीं मेला प्रांगण में स्थापत्य कला, संगीत और नृत्य पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों और अनौपचारिक परिचर्चा सत्रों ने समारोह को प्रदर्शनकारी कलाओं पर विमर्श के वृहत तीर्थ में तब्दील कर दिया है।

विवेक सावरीकर मृदुल

इस नवाचार की ही देन है कि यहां 'कलावार्ता','प्रणाम' जैसे संवाद मंच और 'नाद' व 'चित्रकथन' जैसे पंडाल, बाल प्रतिभाओं पर समर्पित मंच भी जन आकर्षण का केंद्र बन सके हैं। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्य समारोह का यह 51वाँ सोपान है। इस वर्ष चंदेल राजाओं द्वारा निर्मित इन मंदिरों की सहस्त्राब्दी भी मनाई जा रही है। कंदरिया महादेव मंदिर के भव्य पार्श्व वाले मंच पर सुन्दर प्रकाश संयोजन के बीच शनिवार नृत्य सभा का आगाज़ किया। रशिया से पधारी दो युवा नर्तकियों इलियोनोवा पेत्रोवा और तात्याना नाज़ारोवा ने। इन रूसी बालाओं ने जयपुर और लखनऊ घराने की छाप लिए कथक नृत्य प्रस्तुत कर खुली दीर्घा में बैठे सैकड़ों देशी-विदेशी सैलानियों और स्थानीय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इन नृत्यांगनाओं ने कथक की शुरुआत राग बसंत की बंदिश से की। इसके बाद ध्रुवपद 'पूजन चली महादेव'

पर भाव नृत्य किया जों उनकी कथक साधना का सजीव प्रमाण देता था। इसके बाद जयपुर घराने की बानगी देती एक और आकर्षक प्रस्तुति हुई। इलियोनोवा और तात्याना ने समापन गज़ल 'बहार आ रही है' से किया जिसे दर्शकों की जोरदार सराहना मिली। इसके बाद का मंच कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम और कथकली को समर्पित रहा। तेलंगाना से पधारीं संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित सुश्री दीपिका रेड्डी ने अपनी सुयोग्य शिष्याओं के साथ कुचिपुड़ी नृत्य की शुरुआत शिव पार्वती परिणय पर नृत्य से की। तिसरा गति तालम और आरभि रागम की इस प्रस्तुति में भक्तगण भगवान शिव और उनकी पत्नी पार्वती की प्रशंसा में गाते और नृत्य करते हैं, साथ ही वे इस दिव्य विवाह की कहानी को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं।

जिसके परिणामस्वरूप इस दैवीय जोड़े की शादी हुई थी। इसका संगीत डी. एस. वी. शास्त्री का था, जबकि कोरियोग्राफी दीपिका रेड्डी ने की। अगले क्रम में 'थक्कुवेमि मनक्कू' की प्रस्तुति हुई। सौराष्ट्र रागम् और आदि तालम् में निबद्ध यह प्रस्तुति तेलंगाना के प्रसिद्ध कवि रामदासु द्वारा रचित एक मधुर रचना है। वे भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त थे। इस गीत में कवि हर्षपूर्वक भगवान राम की स्तुति करते हुए कहते हैं कि यदि श्रीराम हमारे साथ हैं, तो हमारे लिए कोई कार्य कठिन नहीं। इस प्रस्तुति में दशावतार का संक्षिप्त पर मोहक प्रदर्शन हुआ। एक अन्य प्रस्तुति 'रुद्रमा प्रवेशम्' की थी। समुद्र प्रिया एवं धेनुका रागम् तथा आदि एवं खंडचापु तालम् की इस रचना को दीपिका रेड्डी की पुत्री और शिष्या श्लोका रेड्डी द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्लोका ने आकर्षक ढंग से काकेतीय वंश की वीरांगना रुद्रमा देवी की कथा पेश की। इस नृत्य रचना में उनके वंश, साहसी व्यक्तित्व, घुड़सवारी में दक्षता और एक प्रशिक्षित योद्धा के रूप में उनकी तलवारबाजी की कुशलता को दर्शाया गया। अंतिम प्रस्तुति 'मधुरम् मधुरम्' पद पर रही। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीला का आकर्षक चित्रण था। समापन करते समय जब नर्तकियों ने पीतल की थाली की किनार पर खड़ी होकर नृत्य की जटिल और लयबद्ध कदमों का प्रदर्शन किया तब तो देर तक तालियां बजती रहीं। हालांकि संपूर्ण नृत्य ध्वनिमुद्रित संगीत पर होने से मंच के बहुधा बांयी ओर बैठे गायक कों व संगतकारों की कमी महसूस होती रही।

नन्हीं प्रतिभाओं को गढ़ता बाल नृत्य महोत्सव मंच

51वें खजुराहो नृत्य समारोह के खजुराहो बाल नृत्य महोत्सव के मंच पर बालमन की कल्पना और ऊर्जा से नृत्यप्रेमी आनंदित हो रहे हैं। यह मंच बाल प्रतिभाओं को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। इस बाल नृत्य महोत्सव की तीसरी शाम कथक के नाम रही। पहली प्रस्तुति कुमारी शुभदा मेड़तिया की थी। उन्होंने सर्वप्रथम राम वंदना की। इसके बाद कथक के शुद्ध पक्ष को प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने तीन ताल में आमद, थाट, परन, प्रिमलू और तिहाईयां, लड़ी एवं कवित्त आदि पेश किए। समापन में राग कलावती त्रिताल द्रुत लय में निबद्ध तराने से प्रस्तुति को विराम दिया। दूसरी प्रस्तुति ग्वालियर की प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना ज्योति तोमर की रही। वे विगत तीन वर्षों से गुरु शिवा नायक के सान्निध्य में कथक की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। ज्योति ने इस प्रतिष्ठित मंच पर अपनी नृत्य साधना को गणेश वंदना, तीनताल, चतुरंग एवं ठुमरी पर नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

शिवनवरात्रि के सातवें दिन महाकाल का विशेष श्रृंगार

भगवान ने दिए मनमहेश स्वरूप में दर्शन, 11 ब्राह्मणों ने किया रुद्र पाठ

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि पर्व का सातवां दिन विशेष रहा। सुबह से ही मंदिर में पूजन की श्रृंखला शुरू हुई। सबसे पहले भगवान चंद्रमौलेश्वर का पूजन मंदिर के नैवेद्य कक्ष में किया गया। इसके बाद कोटितीर्थ कुंड के पास स्थित श्री कोटेश्वर महादेव का पूजन संपन्न हुआ। मुख्य पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में 11 ब्राह्मणों ने गर्भगृह में एकादश-एकादशनी रुद्रपाठ के साथ भगवान महाकालेश्वर का अभिषेक किया। संध्या पूजन के बाद बाबा महाकाल को नए वस्त्र पहनाए गए। भगवान का मनमहेश स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया। उन्हें मुकुट पहनाया गया और मुंड माला तथा फलों की माला से सजाया गया। रविवार का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

बागेश्वर धाम से लौटते समय कार पलटी, एक की मौत, 10 घायल

गाय को बचाने में हादसा, छतरपुर से भोपाल जा रहे थे श्रद्धालु

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में रविवार सुबह बागेश्वर धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार गाय को बचाने में पलट गई। हादसा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कादरी में सुबह 6 बजे हुआ। कार में कुल 11 लोग सवार थे, जिसमें से हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। मृतक का पोस्टमॉर्ट्म जिला अस्पताल में किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शनिवार को कार में सवार होकर 11 लोग प्रयागराज महाकुंभ से बागेश्वर धाम आए थे। यहां दर्शन करने के बाद वह अलसुबह भोपाल की ओर निकले थे। इस दौरान सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कादरी में उनकी कार सामने अचानक एक गाय आ गई। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। घायलों को सागर मेडिकल कॉलेज और झांसी रेफर किया गया है।

यह हुए घायल

(1) पूजा पति गोवर्धन पटेल (40), निवासी रायसेन
(2) गोवर्धन पिता काशीराम पटेल (43), निवासी रायसेन
(3) सलती भाई पति काशीराम (50)
(4) कृपा पिता गोवर्धन कुमार
(5) पार्वती पिता नर्मदा पटेल (60)
(6) ललिता पति महेश कुमार (45)
(7) सूरज पिता नारायण
(8) नर्मदा प्रसाद पिता मूलचंद कुमार (75)
(9) हेमंत नर्मदा प्रसाद (20)
(10) रंजीत पिता मुंशीलाल (35)

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

साय मंत्रिमंडल में नए विधायकों को ही मौका मिलने के आसार

चर्चा है कि विधानसभा के बजट सत्र के बाद छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार संभव है। साय मंत्रिमंडल में अभी दो मंत्री पद खाली हैं। रिक्त स्थान को भरने के अलावा कुछ मंत्रियों को बदला भी जा सकता है। साय मंत्रिमडल में अभी रामविचार नेताम, दयालदास बघेल और केदार कश्यप को छोड़कर सभी पहली बार मंत्री बने हैं। पहली बार मंत्री बने,अरुण साव, विजय शर्मा, श्यामबिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लखनलाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े और टंकराम वर्मा पहली बार के विधायक भी हैं। खबर है कि पुराने विधायकों की जगह नए चेहरों को ही मौका मिलने की संभावना ज्यादा है। हालांकि नगर निगम चुनाव के बाद पुराने चेहरों में राजेश मूणत, अमर अग्रवाल जैसे विधायकों का पार्टी में कद बढ़ गया है, पर रमन राज में डेढ़ दशक तक मंत्री रहना आड़े आ रहा है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान नए चेहरे को सामने लाना चाहती है। नए चेहरों में पुरंदर मिश्रा,गजेंद्र यादव जैसे विधायकों का नाम चर्चा में ज्यादा है। तय माना जा रहा कि विधानसभा के बजट सत्र के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार भी होगा और कुछ नेताओं को निगम-मंडल की कुर्सी भी मिलेगी। अब देखते हैं किसकी लाटरी लगती है और किसकी किस्मत चमकती है।

महंत और सिंहदेव का गठजोड़: चर्चा है कि इन दिनों कांग्रेस की राजनीति में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की केमेस्ट्री मिल गई है। दोनों मिलकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस की नैया पार लगाने वाले हैं। टीएस सिंहदेव का नाम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चल रहा है। उम्मीद की जा रही है कि महाराष्ट्र और ओडिशा की तरह छत्तीसगढ़ को जल्द प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मिल जाय। कहते हैं कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज एक पखवाड़े से भी अधिक समय से राजधानी में नहीं हैं और नगरीय निकायों में पार्टी की हार की अब तक कोई समीक्षा नहीं की है। भाजपा सरकार पर लगातार हमला कर सुर्ख़ियों में रहने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस हाईकमान ने एआईसीसी का महासचिव बनाकर राष्ट्रीय राजनीति की राह दिखा दी है, हालांकि भूपेश बघेल बार-बार कह रहे है कि वे छत्तीसगढ़ की राजनीति से दूर नहीं होने वाले हैं। पर सबको पता है कि कांग्रेस की राजनीति में भूमिका के साथ लोग भी बदल जाते हैं। भूपेश बघेल के राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के खेवनहार के रूप में महंत और सिंहदेव को देखा जा रहा है।

कौन बनेगा छत्तीसगढ़ का अगला मुख्य सचिव ? छत्तीसगढ़ के अगले मुख्य सचिव के नाम को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। यह तय माना जा रहा है कि वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन मुख्य सूचना आयुक्त बन जाएंगे। विधानसभा के बजट सत्र के बाद मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति हो जाएगी, ऐसे में अमिताभ जैन को समय से पहले रिटायरमेंट लेना पड़ेगा। इस कारण लोगों में नए मुख्य सचिव को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ गई है। वैसे अमिताभ जैन के बाद वरिष्ठता क्रम में 1991 बैच की रेणु पिल्लै और 1992 बैच के सुब्रत साहू हैं। लोगों को दोनों की संभावना कम लग रही है। इनके बाद 1993 बैच के अमित अग्रवाल अभी भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। 1994 बैच के आईएएस मनोज पिंगुआ और ऋचा शर्मा का नाम भी नए मुख्य सचिव के लिए चर्चा में है। 1994 बैच के अधिकारी विकासशील और निधि छिब्बर केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के नए मुख्य सचिव का फैसला दिल्ली से होगा, जैसे मध्यप्रदेश, ओडिशा और राजस्थान के मुख्य सचिव की नियुक्ति के मामले में हुआ।

जी पी सिंह को कब मिलेगा काम ? 1994 बैच के आईपीएस जी पी सिंह पिछले दिनों डीजी के तौर पर प्रमोट हो गए और उन्होंने डीजी के रूप में चार्ज भी ले लिया है, लेकिन उन्हें अभी तक कोई विभाग नहीं मिला है। जीपी सिंह को मिलाकर अब राज्य में चार डीजी स्तर के अधिकारी हो गए हैं। डीजी होमगार्ड और संचालक लोक अभियोजन 1992 बैच के आईपीएस अरुण देव गौतम को अभी प्रभारी डीजीपी बनाया गया है। 1992 बैच के आईपीएस पवनदेव पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के अध्यक्ष हैं, जबकि 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता डीजी जेल हैं। चर्चा है कि अरुण देव गौतम का एक प्रभार काम करके उसे जीपी सिंह को दे दिया जाएगा। अब कब तक जीपी सिंह को प्रभार सौंपा जाएगा, इसका इंतजार है। वैसे राज्य आर्थिक अपराध अनुसंधान ब्यूरो में डीजी स्तर के अधिकारी की पोस्टिंग की जा सकती है। अभी ईओडब्ल्यू के मुखिया आईजी स्तर के अधिकारी अमरेश मिश्रा हैं।

डीजीपी के लिए संशोधित पैनल तैयार: चर्चा है कि छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी के लिए सरकार ने संशोधित पैनल तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री की हरी झंडी के बाद नया पैनल संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जाएगा। कहा जा रहा है कि डीजीपी के लिए संशोधित पैनल में अरुणदेव गौतम, पवनदेव, हिमांशु गुप्ता और जीपी सिंह का नाम है। चारों डीजी स्तर के अधिकारी हैं। पैनल में एडीजी स्तर के किसी आईपीएस का नाम शामिल नहीं किया गया है। खबर है कि डीजीपी का संशोधित पैनल वाली फाइल मंत्रालय से बाहर निकल गई है। अब पैनल कब तक यूपीएससी को भेजा जाता है, इसका इंतजार है।

आईपीएस अफसरों की बैठक: कहते हैं कांग्रेस की भूपेश सरकार में पावरफुल रहे कुछ अफसरों ने पिछले दिनों बैठक की थी। इस बैठक की बड़ी चर्चा है। इनमें कुछ अफसरों पर जाँच की तलवार भी लटक रही है। बताते हैं इनमें से एक अधिकारी को भाजपा के कुछ अधिकारी अच्छी पोस्टिंग दिलाना चाहते हैं ,जबकि कुछ नेता विरोध कर रहे हैं। खबर है कि इस अफसर की पोस्टिंग वाली फाइल कई बार मुख्यमंत्री की टेबल तक भी पहुंच चुकी है, पर भाजपा नेताओं के मनभेद के चलते अधिकारी की किस्मत चमक नहीं पा रही है। अब देखते हैं इस अधिकारी को लेकर भाजपा नेताओं में कब तक मनभेद चलता है और अफसर मुख्यधारा से दूर रहते हैं।

वन विभाग की भर्ती सुर्खियों में: राज्य के वन विभाग में फारेस्ट गार्ड के करीब 1628 पदों पर भर्ती सुर्ख़ियों में है। कहते हैं कि फारेस्ट गार्ड की भर्ती डिजिटल और मैन्युअल के फेर में फंस गई है। खबर है कि कुछ लोगों का नाप-जोख और अन्य प्रक्रिया कंप्यूटर से किया गया तो कुछ का बिना मशीन के कर लिया गया। भर्ती प्रक्रिया दिसंबर 2024 से शुरू हुई थी। करीब सवा चार लाख अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए। बताते हैं अधिवक्ता विजय मिश्रा ने भर्ती प्रक्रिया को लेकर मुख्य सचिव, वन विभाग की एसीएस और सतर्कता आयुक्त से शिकायत की थी।सरकार अब जिनका मैन्युअल नाप-जोख हो चुका है, उनका भी डिजिटल प्रक्रिया पूरी करने की सोच रही है।

संपादकीय

कब सुधरेगी एयर इंडिया

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान को देश की सबसे बड़ी विमान कंपनी एयर इंडिया में भोपाल से दिल्ली जाते समय टूटी सीट पर बैठकर जाने की हकीकत इस बात का प्रमाण है कि 'विरासत की वापसी' के तीन साल बाद भी इस विमान कंपनी की सेवाओं में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। जबकि इसे वापस खरीदने वाली टाटा कंपनी की ख्याति अपनी पेशेवर योग्यता और सेवाओं के लिए ही है। शिवराजसिंह चौहान ने ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि अगर पैसे लेते हैं तो सुविधा भी दें। इस घटना के बाद कुरूक्षेत्र स्थित गुरुकुल पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने एयर इंडिया के प्लेन की फटी सीट को लेकर कहा कि अगर कोई चीज गलत होती है उसके लिए चुप होना या कुछ बोलना 2 रास्ते हैं। इससे लोगों को तकलीफ होती है। यह चीज मैनेजमेंट को पता होनी चाहिए। अगर पैसे लेते हैं तो सुविधा भी दें। हालांकि कुछ यात्रियों ने मंत्री शिवराज को अपनी सीट देने की पेशकश भी की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। यह अव्यवस्था और ग्राहक सेवा में खामी उजागर होते ही कंपनी एयर इंडिया ने माफी मांगी। साथ ही केन्द्रीय केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को मामले की जांच करने और तुरंत सुधारात्मक उपाय सुझाने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद डीजीसीए ने मामले में एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी है। शिवराज सिंह चौहान को टूटी हुई सीट मिलने पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने विमानन कंपनी की सेवा पर चिंता जाहिर कर टाटा ग्रुप से दखल देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कंपनी यदि कार्रवाई करने में नाकाम होगी तो सरकार को दखल देना पड़ सकता है। विपक्षी यूथ कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने एक्स पर लिखा- कुंभ जाने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को इनकी सरकार ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं दे पाई उसका दर्द नही हुआ, मंत्री जी को विमान में टूटी कुर्सी मिलने का दर्द हुआ है। मंत्री शिवराजसिंह चौहान के साथ जो हुआ, वो नया नहीं है। टाटा द्वारा 3 साल पहले एयर इंडिया को खरीदने के बाद से इस विमान कंपनियों के विमान जरूर बढ़ गए हैं, लेकिन सेवा गुणवत्ता में सुधार होने की बजाए और खराब हो गई हैं। 6 माह पूर्व अफ्रीकी क्रिकेट खिलाड़ी जोंटी रोड्स को भी एयर इंडिया की फ्लाइट में टूटी सीट मिलने के बाद रोष जताया था। बाद में कंपनी ने माफी भी मांगी। इसी तरह पिछले से अप्रैल में पैसेंजर्स को ज्यादा पैसे चुकाने के बाद भी टूटी सीट मिली। विमानों का देर से चलना, घटिया खाना, टूटी सीटें, अमानवीय व्यवहार अब एयर इंडिया में आम बात हो चुकी है। जब इस सरकारी कंपनी को टाटा ने 18 हजार करोड़ में खरीदा था, तब सभी को यह भरोसा था कि टाटा की अगुवाई में एयर इंडिया विश्वस्तरीय विमान कंपनी बनेगी। लेकिन हकीकत दूसरी ही है। टाटा इस कंपनी के सेवाओं को क्यों नहीं सुधार पा रहे हैं, समझना मुश्किल है। बुनियादी खामियां जस की तस हैं। तो फिर तीन साल मे क्या बदला, यह बड़ा सवाल है। कहने को एयर इंडिया के पास सबसे ज्यादा विमान और स्टाफ है, लेकिन अपेक्षित गुणवत्ता नदारद है। जबकि माना जा रहा था कि सरकारी से प्राइवेट कंपनी में तब्दील होने के बाद एयर इंडिया विमान यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और सेवा देगी। अभी भी कंपनी 5 हजार करोड़ के घाटे में है। लेकिन ग्राहकों से तो पूरा किराया वसूला जा रहा है। ऐसे में संतोषजनक सेवाएं देना कंपनी का नैतिक और पेशेवर कर्तव्य है। एयर इंडिया प्रबंधन को इसे बेहद गंभीरता से लेना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय बने रहने दें

नजरिया

रघु ठाकुर
लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फणनवीस ने मुंबई में विश्व हिंदू आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा था कि हमारी अर्थव्यवस्था की विकास दर को हिंदू ग्रोथ रेट कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक इसे चीटी की गति से चलने वाला माना जाता था। अब यह दुनिया में राह दिखाने वाला ग्रोथ रेट होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के शोषण मिट जायेंगे लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था शोषण के लिये नहीं थी। हमने देने वाले राजा को बड़ा माना है, शोषण करने वाले को नहीं। इसे हिंदू विकास मॉडल कहा जाता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफकरते हुये भारत की गति बढ़ाने, मानव संसाधन में बदलने की तारीफ की। उन्होंने बड़ी जनसंख्या को मानव संसाधन में तब्दील किया है और स्व. अटल जी को उन्होंने इस विकास की नींव रखने वाला बताया। श्री देवेन्द्र फणनवीस का यह भाषण कई प्रश्न उठाता है-

1. भारत एक सर्व समावेशी देश है जिसमें विभिन्न धर्मावलंबी रहते हैं और भारत की अर्थव्यवस्था कुछ सुधरी है तो मेरी राय से नहीं सुधरी है। श्री देवेन्द्र फणनवीस की राय से सुधरी है तो यह प्रश्न पूछा जाना चाहिये कि क्या इस अर्थव्यवस्था के सुधारने में देश के सिख, जैन, बुद्ध, मुस्लिम, ईसाई, फारसी आदि धर्मावलंबियों का कोई योगदान नहीं है? और यह हिंदू अर्थव्यवस्था का शब्द क्यों गढ़ा गया है। अभी तक अर्थव्यवस्था देश की होती थी, अब हिंदू अर्थव्यवस्था जुमला फेंककर एक नये प्रकार के मानसिक विभाजन का खेल शुरू हुआ है। श्री देवेन्द्र फणनवीस को यह जानकारी नहीं है कि जब देश में खाद्यान का संकट था और भारत विदेशों से खाद्यान्न आयात करता था तब इस खाद्यान्न के संकट से ऊबारने के लिये सबसे अहम भूमिका पंजाब के सिख भाईयों की थी, जिन्होंने अनाज की पैदावार को बहुत बढ़ाकर देश को खाद्यन्न के मामले में संपन्न बनाने में महत्ती योगदान दिया था। तब न तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी थे न ही मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस थे। जो मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी है जिसे देश की आर्थिक राजधानी माना जाता है क्या उसमें फारसी और बोहरा समाज की कोई भूमिका नहीं है। अडानी और अंबानी तो अभी हाल के, भाजपा, कांग्रेस नीतियों की पैदावार है, परंतु जमशेदजी टाटा जिन्होंने 18वीं सदी के अंत और 19वीं सदी के आरंभ में स्टील का कारखाना लगाया। मुंबई की बिजली और पानी की व्यवस्था को संभाला। देश के औद्योगिकीकरण की आधारशिला रखी, क्या उनका कोई योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में नहीं है? यह हिंदू अर्थव्यवस्था की चर्चा देश के औद्योगिकीकरण और बाजार को बांटने वाली होगी और यह मानसिक विभाजन देश के लिये नये प्रकार के खतरे पैदा करेगा।
2. आज दुनिया एकांकी या अकेले किसी एक देश के आधार पर नहीं चल रही बल्कि आज दुनिया अनेक अर्थों में परस्पर अर्थव्यवस्था पर आश्रित है। दुनिया का एक देश खाद्यान्न तेल का निर्यात करता है, तो दूसरा देश कच्चे तेल का निर्यात करता है, अन्य तो एक देश तकनीक का निर्यात करता है, दूसरा देश हथियार का निर्यात करता है। और ये सभी देश हिंदू धर्मावलंबी देश नहीं हैं, तो क्या देवेन्द्र फणनवीस, तो क्या नरेन्द्र मोदी ऐसे भारत की रचना कर सकते हैं कि जो अकेले ही हर क्षेत्र में समर्थ हो।

महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज में ऐसे भारत की कल्पना की थी जहाँ गाँव आत्मनिर्भर हो, स्वाबलंबी हो, परंतु आज दुनिया का कोई भी देश यह दावा नहीं कर सकता है कि वह अपनी पूर्ति केवल अपनी क्षमता से कर सकता है। यहां तक कि चीन, अमेरिका भी जो आज विश्व आर्थिक शक्ति के बड़े प्रतिस्पर्धी हैं वे भी दावा नहीं कर सकते हैं। फिर अगर दुनिया में आर्थिक आधार पर अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा तो यह नहीं भूलना चाहिये कि विश्व के स्तर पर दुनिया में सबसे बड़ी आबादी ईसाई की है, फिर मुस्लिम की है, फिर बुद्ध की है और हिंदू में अगर सभी जातियों को हिंदू मान लिया जाये तो भी वह तुलनात्मक रूप से चौथे नंबर पर आयेगा। आज दक्षिण अफ्रीका के कई देशों में भारतीय उद्योगपतियों की पूंजी लगी है, उन्होंने वहाँ कारखाने स्थापित किये हैं, बड़ी-बड़ी जमीनें खरीदी हैं, वे देश कोई हिंदू देश नहीं हैं तो क्या श्री नरेन्द्र मोदी, श्री देवेन्द्र फणनवीस इन देशों से भारतीयों के कारखाने और पूंजी को वापिस लायेंगे?

3. श्री फणनवीस, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आंकड़े को ही दोहरा रहे हैं कि उन्होंने देश की 25 प्रतिशत आबादी को गरीबी की सीमा रेखा से बाहर निकाल दिया है परंतु क्या यह सच है? अगर सच है तो भारत सरकार 85 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज क्यों बांट रही है?

देश के सभी राजनैतिक दल अपने-अपने राज्य सरकारों के क्षेत्र में महिलाओं और बहिनों के लिये हजार दो हजार रुपये की खैरात क्यों दे रहे हैं? करोड़ों बच्चियों की शादी मुख्यमंत्रियों के कन्यादान योजना के नाम पर क्यों कराई जा रही हैं? देश के महानगरों से लेकर कस्बों और गाँव तक करोड़ों लोग भीख मांगने को लाचार क्यों हैं? देश के तमाम लोग अपना ईलाज नहीं करा सकते या केंद्र की आयुष्मान योजना या राज्यों की योजना पर निर्भर क्यों हैं? दरअसल इस 25 प्रतिशत गरीब आबादी को गरीबी से बाहर निकालने का जुमला केवल आंकड़ों की बाजीगिरी है तथा यह जमीनी सत्य नहीं है। श्री फणनवीस 11 जनवरी 2025 का भास्कर पढ़ लें, जिसमें प्रथम पृष्ठ पर समाचार है कि महाराष्ट्र की लड़कियों को 90 हजार में बेचा जा रहा है जबकि मप्र में भैंस की कीमत 1 लाख रुपये है। फणनवीस जी इन बेचे जाने वाली महाराष्ट्र की लड़कियों को बचा लें।

मैं नहीं मानता हूं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने देश के करोड़ों लोगों को मकानों का मालिक बनाया है परंतु लोगों को यह भी याद रखना चाहिये कि श्रोटी-कपड़ा और मकान-मांग रहा है हिंदुस्तान्य का नारा कोई संघ, जनसंघ, भाजपा का नहीं था बल्कि देश के समाजवादियों का था। महिलाओं के लिये ग्रामीण शौचालय, नदियों की सफाई, तीर्थस्थल का विकास ये कार्यक्रम 1960 के दशक में यानि आज से 80 साल पहले डॉ. लोहिया ने उसी बनारस में देश के सामने रखना शुरू किये थे, जहां प्रधानमंत्री श्री मोदी लगभग 70 वर्षों के बाद चुनाव लड़ने गये थे। इतिहास के तथ्यों को मिटाने के प्रयास कभी भी सफल नहीं होंगे। कुछ समय को इतिहास की सच्चाइयों पर परदा डाला जा सकता है परंतु सत्य-सत्य रहेगा और पुनः वापिस लौटेगा।

4. श्री देवेन्द्र ने अपने भाषण में राजाओं की उदारता की प्रशंसा करते हुये फिर से एक बार राजतंत्र को महिमा मंडित करने का प्रयास किया है पर वे भूल गये कि राज्यों के बड़े-बड़े महल बनाने वाले कारीगर उनके किले में चट्टानों को ले जाने वाले मजदूर, राजतंत्र से शोषित और लाचार थे। क्या किसी राजतंत्र के व्यक्ति ने एक ईंट भी लगाई है? राजतंत्र सदैव राजा के द्वारा आमजन के शोषण का तंत्र होता है परंतु श्री फणनवीस के भाषण से ऐसा लगता है कि अब संघ के इशारे पर भाजपा राजतंत्र और सामंती युग को वापिस लाना चाहती है। शायद पेशवाई राज्य वापिस लाना चाहते हैं जो जाति और सामंतवाद-अंधविश्वास और शोषण व हिंसा के चार खंभों पर टिका होगा।
5. श्री फणनवीस ने वर्तमान विकास की नींव रखने का श्रेय स्व. अटलजी को दिया है, वे भूल गये कि जब स्व. नरसिम्हा राव (पूर्व प्रधानमंत्री) स्व. मनमोहन सिंह (पूर्व वित्त मंत्री) ने डब्लूटीओ पर हस्ताक्षर किये थे तो उनकी मातृ संस्था संघ और भाजपा स्वदेशी का नारा लगा रहे थे और इस समझौते के खिलाफ गांव-गांव जाकर लोगों को इसके खिलाफ बोल रहे थे। अगर यह विकास का मूल है तो फिर तो, इसका श्रेय स्व. नरसिम्हा राव और स्व. मनमोहन सिंह को देना होगा। स्व. अटल जी तो इस खेल के पाँचवे खिलाड़ी थे, उनके पहले श्री एच डी देवगौड़ा, स्व. गुलजार इस समझौते को आगे बढ़ा गये थे। हालांकि मैं ऐसा मानता हूं कि वैश्वीकरण, विश्व व्यापार संगठन और उसके द्वारा शुरू किये टैक्स से देश के आम बजट में राशि तो बढ़ी है परंतु यह टिकाऊ नहीं है। यह दबाव का मोटापा है जो देर तक नहीं टिकेगा। क्या श्री फणनवीस को पता है कि देश के ऊपर आज कितना विदेशी कर्ज है? 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 84 अरब डॉलर का वित्तीय ऋण था और वर्ष 2014 के आते आते वह बढ़कर 440 अरब डॉलर हो गया और विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार अब भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी ऋण लगभग 60 लाख करोड़ रुपये का है और जिसकी किश्तों को चुकाने पर ही प्रतिवर्ष भारत के बजट का लगभग 1.5 वाँ हिस्सा जाता है। जबकि अभी कुल ऋण के 77 प्रतिशत दीर्घावधि ऋण के ब्याज की वसूली शुरू नहीं हुई है, यह ऋण अदायी भी मुख्यतः 23 प्रतिशत अल्प अवधि ऋणों के ब्याज की अदायी है।

श्री फणनवीस और उनके ज्ञानदाताओं से मेरा अनुरोध है कि वे अपनी सत्ता के लिये देश का मानसिक विभाजन न करें और अर्थव्यवस्था को हिंदू, मुसलमान और सिख, ईसाई न बनायें, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था रहने दें। अगर हिंदू अर्थव्यवस्था के चश्मे से देखेंगे तो देश के विदेशी ऋण का 95 प्रतिशत कर्जदार हिंदू होगा।

मप्र के आर्थिक विकास की बुनियाद बन सकता है औद्योगीकरण

जीआईएस 2025

डॉ. सत्येन्द्र किशोर मिश्र
प्रोफेसर अर्थशास्त्र, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

औद्योगीकरण, तीव्र आर्थिक विकास दर, प्रति व्यक्ति उच्च आय, आधुनिकीकरण, नगरीकरण, तकनीकी प्रगति, जीवनस्तर में सुधार सहित अनेक क्रांतिकारी सामाजिकार्थिक बदलावों की बुनियाद है। आधुनिक दौर में औद्योगीकरण के बगैर आर्थिक विकास की कल्पना ही बेमानी है। प्रख्यात समाज वैज्ञानिक आशीष बोस ने जब मध्यप्रदेश को बीमारू राज्यों की श्रेणी में रखा रहा होगा तो, उनके दिमाग में सामाजिकार्थिक सूचकों के साथ-साथ औद्योगीकरण का स्तर भी जरूर रहा होगा। आज मध्यप्रदेश आर्थिक विकास की रणनीति में बदलाव कर औद्योगीकरण के जरिए आगे बढ़ने को तत्पर है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में आर्थिक नीतियों तथा तमाम निवेश सम्मेलनों सहित उद्योगों को आकर्षित करने की कवायदों को इसी संदर्भ में समझने की जरूरत है।

किसी भी राज्य के आर्थिक विकास को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) द्वारा समझा जा सकता है। वर्ष 1960-61 में भारत की जीडीपी में मध्यप्रदेश का योगदान 5.6 फीसद था, जो लगभग चार दशक बाद, वर्ष 1998-99 तक 5.6 फीसद पर ही बरकरार रहा। स्वाभाविक था वर्ष 2000 में राज्य विभाजन के बाद, मध्यप्रदेश की जीएसडीपी का हिस्सा भारत की जीडीपी में घट गया। वर्ष 2001-02 में मध्यप्रदेश की जीएसडीपी रू. 71,594 करोड़ थी जो वर्ष 2021-22 में रू. 11,36137 करोड़ तथा वर्ष 2022-23 में 16.43 फीसद वार्षिक वृद्धि के साथ रू. 13,22,821 करोड़ तथा वर्ष 2023-24 में रू. 13,63,327 करोड़ तक पहुंच गई। पिछले 10 वर्षों में जीएसडीपी में 319 फीसद बढ़ोत्तरी के बावजूद भारत की जीडीपी में मध्यप्रदेश का हिस्सा वर्तमान में लगभग 3.5 फीसद ही है।

प्रतिव्यक्ति आय को देखें तो वर्ष 1960-61 में प्रतिव्यक्ति आय (वर्तमान कीमतों पर) उत्तर प्रदेश की रू.253, मध्यप्रदेश की रू.254, आंध्र प्रदेश की रू. 276 तथा राजस्थान की रू.282 थी, जो तत्कालीन भारत की औसत प्रतिव्यक्ति आय रू. 331 का लगभग तीन-चौथाई थी। वर्ष 1996-97 में मध्यप्रदेश में प्रतिव्यक्ति आय रू.7,571 थी, जो तत्कालीन भारत की औसत प्रतिव्यक्ति आय रू. 10,771 का मात्र सत्तर फीसद थी। प्रतिव्यक्ति शुद्ध आय प्रचलित कीमत पर वर्ष 2001-02 में रू. 11,718 थी, जो वर्ष 2011-12 में बढ़कर रू. 38,497, वर्ष 2021-22 में रू.1,21,594 तथा वर्ष 2022-23 में वर्ष 2011-12 से चार गुना बढ़कर रू.1,42,565 हो गयी। यह वर्ष 2022-23 में भारत की प्रतिव्यक्ति आय रू.1.72 लाख का लगभग अस्सी फीसद है। मुद्रास्फीति समायोजन के बाद स्थिर (2011-12) मूल्यों पर भी प्रतिव्यक्ति शुद्ध आय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो वर्ष 2011-12 में रू.38,497 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में रू.66,441 हो गई, जो भारत की रू.98,118 का लगभग 67 फीसद है, वस्तुतः यही वास्तविक आर्थिक प्रगति को दर्शाता है। इस प्रकार मध्यप्रदेश अभी भी उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान और बिहार जैसे कम आय वाले बीमारू राज्यों की श्रेणी में है। पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की प्रतिव्यक्ति आय मध्यप्रदेश के दोगुने से भी अधिक है। यदि मध्यप्रदेश में प्रतिव्यक्ति आय तथा एसडीजीपी में चमत्कारिक बढ़ोत्तरी करनी है तो, औद्योगीकरण ही एकमात्र जरिया है।

मध्यप्रदेश की आर्थिक संरचना भी औद्योगीकरण की रफ्तार बढ़ाने की जरूरत तथा संभावना का स्पष्ट संकेत देती है। यद्यपि मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन दिखे हैं, परन्तु अभी और भी बदलाव की जरूरत है। प्राथमिक क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियां अद्भुत है, राष्ट्रीय स्तर पर कृषि का हिस्सा 3.6 फीसद से बढ़कर 4.8 फीसद हो गया है। गेहूं के 600 मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन के साथ निर्यात में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान के साथ 46 फीसद का हिस्सेदार है। धान खरीद वर्ष 2017-18 में 16.59 टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 46.82 टन के साथ लगभग पौने तीन गुना वृद्धि को दिखाता है। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के लगभग 27 फीसद के साथ प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 45.53 फीसद है, जो आधुनिक आर्थिक विकास के मानकों के अनुसार काफी अधिक है।

मध्यप्रदेश में प्राथमिक क्षेत्र के हिस्से में गिरावट जबकि द्वितीयक क्षेत्र तथा तृतीयक क्षेत्र के हिस्से में वृद्धि अच्छा संकेत है, परन्तु पर्याप्त नहीं है। प्रचलित कीमतों पर मध्यप्रदेश की एसजीडीपी में तृतीयक क्षेत्र का योगदान 36 फीसद है। सेवा क्षेत्र में निरंतर निवेश और सुधार के साथ, तृतीयक क्षेत्र द्वारा राज्य की आर्थिक प्रगति में अधिक योगदान की संभावना है। स्थिर कीमत पर तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2023-24 में बढ़कर 39.64 फीसद हो गया, जो सेवा क्षेत्र में मजबूती को दर्शाता है। देश के कुल निर्यात में मध्यप्रदेश का हिस्सा 6.9 फीसद है। मध्यप्रदेश में विगत लगभग बीस वर्षों में ऊर्जा उत्पादन क्षमता 5,173 मेगावॉट से बढ़कर वर्तमान में 28,000 मेगावॉट से अधिक है, जबकि नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में 270.47 फीसद वृद्धि के साथ मध्यप्रदेश बिजली में सरप्लस स्टेट बना है। देश के कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में मध्यप्रदेश 8.2 फीसद का योगदान के साथ चौथे स्थान पर है।

परन्तु महत्वपूर्ण तथ्य है, मध्यप्रदेश के एसजीडीपी में द्वितीयक क्षेत्र का योगदान, क्षमता एवं संभावना से कम है। राज्य खनिजों से समृद्ध है तथा कोयला, कोल-बेड मीथेन, मैंगनीज और डोलोमाइट की प्रचुरता के साथ-साथ मध्यप्रदेश में सबसे अधिक पत्थर, हीरा और तांबा भंडार है। औद्योगीकरण हेतु जरूरी प्राकृतिक एवं भौतिक संसाधनों सहित ईंधन, खनिज, कृषि तथा जैव विविधता में समृद्ध होने के बावजूद वर्तमान में मध्यप्रदेश की एसजीडीपी में द्वितीयक क्षेत्र का योगदान मात्र 18.47 फीसद ही है, जो आर्थिक विकास के मापदण्ड पर उचित नहीं है। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास दर वर्ष 2001-02 में -0.61 फीसद थी, जबकि वर्ष 2022 में 24 फीसद है। भारत की पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में सहायक बनने के साथ-साथ मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले पांच वर्षों में लगभग दोगुना कर 550 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में औद्योगीकरण के सिवाय कोई अलग रास्ता नहीं है।

अब तक मध्यप्रदेश राज्य अपनी औद्योगिक विकास की क्षमता को तलाशने में नाकाम रहा है। वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की रिपोर्ट वर्ष 2022-23 से मध्य प्रदेश राज्य में औद्योगिक विकास का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कामगारों की संख्या मध्यप्रदेश में 95,665 थी, जबकि महाराष्ट्र में 6,45,222; गुजरात में 5,28,200 तथा तमिलनाडु में 4,81,807; कर्नाटक में 2,60,950 से काफी कम है। पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों की संख्या मध्यप्रदेश में 5058 थी, जबकि महाराष्ट्र में 26446; गुजरात में 31031 तथा तमिलनाडु में 39666; केरल में 7592 से कम है। औद्योगिक क्षेत्र में विनियोजित पूँजी तथा सकल पूँजी निर्माण औद्योगिक विकास की स्थिति को और भी स्पष्ट करते हैं। औद्योगिक इकाईयों में विनियोजित पूँजी मध्यप्रदेश में रू. 2,50,92,328 लाख थी, जबकि महाराष्ट्र में रू. 8,04,11,778 लाख; गुजरात में रू. 11,47,51,398; तमिलनाडु में रू. 8,35,45,616; उत्तर प्रदेश में रू.5,35,45,616 लाख तथा कर्नाटक में रू.3,76,67,807 लाख से काफी कम है। सकल पूँजी निर्माण के संदर्भ में मध्यप्रदेश में रू.23,72,367 लाख थी, जबकि महाराष्ट्र में रू.1,04,10,538 लाख; गुजरात में रू. 1,25,07,261; तमिलनाडु में रू.84,81,210; उत्तर प्रदेश रू.79,20,908 लाख; तथा कर्नाटक रू. 37,58,880 लाख से काफी कम है। यही परिदृश्य एमएसएमई के संदर्भ में दिखता है, जिसका योगदान मध्यप्रदेश के औद्योगिक उत्पादन में लगभग एक तिहाई है।

तमाम अनुकूलताओं के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का योगदान वर्ष 1980 में, राज्य में पंजीकृत कारखानों का 3.61 फीसद, अचल पूंजी का 7.04 फीसद, कुल औद्योगिक रोजगार का 4.21 फीसद, सकल उत्पादन का 4.01 फीसद और विनिर्माण द्वारा मूल्यवर्धित का 5.09 फीसद हिस्सा था। वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का योगदान हिस्सेदारी कारखानों की संख्या के लिए केवल 3.12 फीसद, अचल पूंजी के लिए 5.09 फीसद, रोजगार के लिए 4.67 फीसद, उत्पादन के लिए 5.36 फीसद और कारखाना क्षेत्र में मूल्यवर्धित के लिए 5.49 फीसद है। किसी भी पैरामीटर द्वारा मापा गया मध्यप्रदेश का औद्योगिक प्रदर्शन निम्न स्तर पर रहा है। वस्तुतः मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की परिस्थितियां राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य के तारतम्य में रही है।

स्टेटस सिंबल बन गई है भीड़

कटाक्ष

मुकेश राठौर
लेखक व्यंग्यकार हैं।

'गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर ने उवाचा था 'एकला चलो रे' यही जीवन की सच्चाई है। मगर आदमी है कि हर प्रसंग पर भीड़ देखना और दिखाना चाहता है। 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों एक किस्सा सुनो किस्सा जाति, धर्म, साहित्य,राजनीति किसी भी विषय से संबंधित हो सकता है। बस श्रोता चाहिए। अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता सो सब भीड़ बढ़ाना चाहते हैं, ताकि भाड़ फूट जाए। भीड़ का क्या है वह तो फूटे भाड़ में भी जा सकती है। भीड़ की अक्ल एड़ी में होती है। भीड़ हमेशा भेड़ चाल चलती है। भीड़ मरने से भी नहीं डरती। बहरहाल आम आदमी,नेता,पार्टी हों या सरकार सबके लिए भीड़ इन दिनों स्टेटस सिंबल बन गई है। असल जिंदगी हों या सौ-छल मीडिया वाली...जिसके साथ जितनी भीड़,वह उतना बड़ा चेहरा।

यूं तो शादी के लिए 'हम दो हमारे दो-दो' भी कम नहीं लेकिन लोग अपने सर्वोत्तम प्रयासों से भीड़ जुटाते हैं। महीनों पूर्व घर-घर जाकर न्योता रखते हैं। एक्चुअली हम समाज को जिमाना नहीं,अपना स्टेटस दिखाना चाहते हैं। स्वागत द्वार पर स्वागत के बाद आगत की क्या गत हुई कौन पूछता है !ब्याह से इतर पैदाइश की बात करें तो कई सामाजिक ठेकेदार अपनी जातियों की उत्पादक आबादी को प्रलोभन दे रहे हैं। बच्चों की संख्या बढ़ाइए और लाखों इनाम पाइए। दो पायों की वृद्धि से ही उनकी अध्यक्षीय कुर्सी के चार पायों की मजबूती है। जन्म ही नहीं अंतिम यात्रा में भी उमड़ी भीड़ बताती है मरने वाला कितना वजनदार था। पहले की तुलना में लोगों का धर्म के प्रति रुझान बढ़ा है। ये मैं नहीं कह रहा बल्कि जगह-जगह होते सत्संग,कथाएं और अखबार कह रहे हैं। कहने वाले ने क्या कहा,सुनने वालों ने क्या सुना यह कोई नहीं कहता। अखबारों की सुर्खी बनती है । कथा के चौथे दिन ज्ञान गंगा में दो लाख ने डुबकी लगाई तो कोई लिखता है। बड़ी संख्या में पहुंच रहे भक्त श्रोता रोज बढ़ाना पड़ रहा है पांडाल। कितने भक्त,कितने श्रोता,कितने दर्शक वे ही जाने !भीड़ का स्वभाव है वह मरकर भी बढ़ती ही जाती है। भीड़ यों ही नहीं बढ़ती उसका आवाहन करना पड़ता है। पोस्टर,पर्चे बांटे जाते हैं,अनाउंसमेंट और मुनादी करवाई जाती है कि आप अधिकाधिक आइए और भीड़ बढ़ाइए। फिर भीड़ क्यों न कहे तुमने बुलाया और हम चले आए। कवियों को हमेशा से भीड़ पसंद रही ह। भीड़ देख करुण रस का कवि भी वीर रस की कविताएं पढ़ने लगता है। पंक्ति दर पंक्ति ताली का आग्रह। भ्रम होता है कि वह कविता पढ़ रहा है या ताली पिटवा रहा है। इनकी उबाऊ कविता सुन जम्हाई लेते श्रोता बीच कार्यक्रम घर लौटना भी चाहे तो खद्योत सम कवि उनकी नितांत निजी जिंदगी की सार्वजनिक शर्मिंदगी करवाकर बैठने पर बाध्य कर देते हैं। कैसे भी बस भीड़ बनी रहें। राजनीति के धंधे में तो भीड़ कच्चे माल के मानिंद उपयोग होती है। भीड़ बढ़ेगी भला करेगी। वो जनसभा ही क्या जिसमें भारी-भरकम भीड़ न हो। अब तो बड़े नेता की जनसभा में भीड़ बढ़ाने हेतु बाकायदा गांव-गांव बसें भिजवाई जाती है। स्थानीय अध्यक्षों को भीड़ बढ़ाने के टारगेट दिए जाते हैं। भीड़ के खाने-पीने से लेकर नगदी भी दिए जाते ह। हर आदमी खाने-पीने वाला नहीं होता। भीड़ लोकतंत्र की रीढ़ है। रीढ़ मजबूत होगी तो उम्मीदवार न सिर्फ दमदारी से खड़ा होगा बल्कि जीतेगा भी। कुर्सी का रास्ता भीड़ से होकर ही जाता है। बगैर भीड़ बढ़ाए आप कुर्सी की ओर नहीं बढ़ सकते। एक बार कुर्सी पर बैठने के बाद भीड़ बढ़ाने की चिंता भीड़ के जिम्मे आ जाती है। बस इतना कीजिए कि अकेले दम पर भीड़ बढ़ाइए और फिर भीड़ में से अकेले निकल जाए। शायर वसीम बरेलवी ने ठीक ही कहा है। हर शख्स दौड़ता है यहां भीड़ की तरफ, फिर ये भी चाहता है उसे रास्ता मिलें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

तुम्हारा सुझाव दिल को छू गया

व्यंग्य

शशांक दुबे
लेखक व्यंग्यकार हैं।

इधर ठंडी हवा का झोंका सनन सनन कर रहा था, उधर चेयरमैन के सामने वे सब बैठे बैठे लजर लजर कर रहे थे। तभी चेयरमैन साहब ने लगभग नथुने में घुसने को आतुर मफलर की झालर को परे धकेलते हुए बड़े बाबू को इशारा किया।

बड़े बाबू ने गला खखारने के बाद फरमाया, 'साथियो, हालांकि आप सभी को पता है कि हमने यह मीटिंग क्यूं बुलाई है, लेकिन चूंकि मीटिंग के मिनिट्स भी लिखे जाने हैं, इसलिए आप सभी को ऑफिशियली बताना चाहता हूं कि लगातार दस साल मुनाफे में चलने के बाद पिछले चार साल से हमारे स्कूल का मुनाफा लगातार कम होता चला जा रहा है। यदि यही हाल रहा तो हम दो एक साल में ही नुकसान में चले जाएंगे। आप सभी से निवेदन है कि इस बारे में अपने ठोस सुझाव रखें ताकि हम एक बार फिर मुनाफे की पटरी पर आकर समाज की सेवा कर सकें'।

शुरुआत हिस्ट्री के टीचर ने की, 'मुनाफा तो हमारे स्कूल के इतिहास में रहा है। लेकिन पिछले कुछ सालों में इसमें जो गिरावट आई है, उसका मुख्य कारण यह है कि हमारे खर्चे बढ़ गए हैं और आय के साधन कम होते जा रहे हैं..'

'शर्मा जी, इतिहास की तरह घिसी पिटी बात मत कीजिए, कोई कॉन्क्रीट सुझाव दीजिए', चेयरमैन साहब ने डंपटा। अब बारी गणित के टीचर के गणित भिड़ाने की थी, 'सर हर साल हम फीस में दस प्रतिशत बढ़ोतरी करते हैं। इससे आय बढ़ना तो चाहिए, लेकिन बढ़ी हुई फीस देखकर पंद्रह प्रतिशत विद्यार्थी बढ़ लेते हैं और आय कम हो जाती है। अच्छा हो कि हम इस साल दस प्रतिशत फीस कम करने की घोषणा कर दें। हो सकता है, इससे विद्यार्थी बढ़ें और टर्न ओवर बढ़ जाए'।

आंकड़ों से आदतन बोर हो रही बॉटनी की टीचर ने फरमाया, 'स्कूल में जो घास का मैदान है। हर साल हम उसकी घास कटवाने का ठेका किसी पार्टी को देकर अपना फंड खाली करते हैं। मैं तो कहूँगी, हम शाम को वह घास मवेशियों से चरवाएं और फिर उनके मालिकों से फिक्स राशि वसूलें।'

'वाह, इसे कहते हैं सुझाव! व्यय कम और आय के नए स्रोत'। चेयरमैन चहक उठे।

'सर नौकरी की अमान पाऊं तो एक सुझाव रखूं', भाषा वाले टीचर ने सहमते हुए कहा।

'अरे डरने की क्या बात है? खुल के कहिए'।

'सर हमें अभी कैंटीन से पोहा, समोसा, बड़ा पाव, पानी की बोतल, सभी पर एक रुपया प्रति नग की दर से कमीशन मिल रहा है। क्या ही अच्छा हो कि हम संस्कृत की टीचर को कैंटीन का एडिशनल चार्ज सौंप दें और उनसे कहें कि बच्चों के लिए एक पानी का पंद्रह लीटर वाला कैन मंगवाएं और एक टीचर को फ्री टाइम में इससे बोतलें भरने का काम दे दें। हम यदि पाँच पाँच रुपये में भी बोतल रीफिल करेंगे तो हमें भी लाभ होगा और छात्रों को भी।

'भई कमाल है, इसे कहते हैं विन-विन सिचुऐशन। मुझे ऐसे सुझाव और भी चाहिए'।

इतनी देर से सामने रखे पैड पर पेंसिल से आड़ी तिरछी रेखाएं बना रही फाइन आर्ट्स की टीचर ने फरमाया, 'सर, हमारे कई स्टूडेंट तरह-तरह के वाद्य बजाने में एक्सपर्ट हैं। क्या ही अच्छा हो, हम उनका एक बैंड तैयार करें और जब भी किसी को ब्याह, शादी, माता पूजन, शव यात्रा...'

'शव यात्रा... ये क्या मज़ाक है? क्या अपने स्टूडेंट्स अब सिर्फ इसी काम के लिए रह गए हैं?' भाषा का टीचर तिलमिलाया।

मैडम ने समझाया, 'सर, वह तो बात बात की बात थी। बाकी अवसरों पर तो हम टीम बनाकर उन्हें भेजकर फंड जुटा सकते हैं'।

तभी चेयरमैन के साहब मोबाइल पर रिंग टोन बजी, 'तुम अरबों का हेरफेर करने वाले रामजी, सवा लाख की लॉटरी भेजो अपने भी नाम जी' उन्होंने खड़े होते हुए 'यस सर, जी सर' जैसा कुछ कहा और बैठक स्थगित कर हॉल से निकलते हुए फाइन आर्ट की टीचर से मुस्कुराते हुए फुसफुसाया, 'तुम्हारा सुझाव दिल को छू गया'।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

भारत में अप्रवासियों के लिए नया कानून जरूरी

सन् 1967 के बने पासपोर्ट अधिनियम में ऐसे प्रावधान शामिल हैं जो अवैध अप्रवासन के लिए भी प्रासंगिक हैं। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12(1)(बी) किसी व्यक्ति के लिए पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए गलत जानकारी प्रदान करना या बिना अनुमति के पासपोर्ट में बदलाव करना गैरकानूनी बनाती है। दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को दो साल तक की कैद, 5 हजार रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

फरवरी 2025 में अब तक अमेरिका से तीन सैन्य विमान 333 भारतीय निर्वासित लोगों को भारत लाए। तो इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के देश में अवैध आप्रवासन को रोकने पर ध्यान केंद्रित करने के हिस्से के रूप में किया गया था। जबकि, अमेरिका ने पहले भी पूर्व प्रशासन के तहत भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया है। यह पहली बार है, जबकि इस तरह के ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए एक सैन्य विमान का इस्तेमाल किया गया है।

निर्वासन से तात्पर्य आप्रवासन कानून (इमिग्रेशन कानून) के उल्लंघन के कारण किसी गैर-नागरिक को देश से निकालने की प्रक्रिया से है। किसी देश से निर्वासन कई कारणों से हो सकता है। इनमें वीजा स्थिति का उल्लंघन, आपराधिक गतिविधि, या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करना आदि सम्मिलित है।

भारत एच-1बी वीजा और छात्र कार्यक्रमों की सुरक्षा करते हुए अमेरिका में अनियमित प्रवासन को प्रबंधित करने के लिए कूटनीतिक रूप से सहयोग कर रहा है। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, कानूनी आप्रवासन और राजनयिक संवेदनशीलता के बारे में चिंताओं को बढ़ाता है। निर्वासन पर विवाद के बीच, भारत सरकार ने कहा है कि वह विदेश में रोजगार के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी प्रवासन के लिए नए आव्रजन कानून लाने पर काम कर रही है। सरकार की योजना फर्जी भर्ती एजेंसियों पर नकेल कसने और विदेशी नौकरी प्लेसमेंट में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की है। भारत में विदेश यात्रा से संबंधित मुख्य रूप से तीन कानून हैं जो अवैध प्रवास के लिए दंडात्मक उपाय सुझाते हैं। अप्रवासन अधिनियम (1983), पासपोर्ट अधिनियम (1967) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336 के तहत भारत लौटने या निर्वासित होने पर अवैध रूप से प्रवास करने वाले भारतीयों को दंडित करने के प्रावधान हैं। सन् 1983 के अप्रवासन अधिनियम के तहत, जो व्यक्ति इसके प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं, जिनमें उचित मंजूरी के बिना प्रवास करना या प्रवास के लिए गलत जानकारी प्रदान करना शामिल है, उन्हें कानूनी नतीजों का सामना करना पड़ सकता है।

अप्रवास अधिनियम 1983 की धारा 24 (सी) के तहत, किसी भी व्यक्ति के लिए अप्रवासन प्रमाणपत्र, परमिट या निकासी प्राप्त करने के लिए जानबूझकर गलत जानकारी देना या भौतिक तथ्यों को दबाना अपराध है। इसमें गैरकानूनी तरीके से उत्प्रवास के लिए मंजूरी हासिल करने के इरादे से भ्रामक या अधूरा विवरण प्रदान करना शामिल है। इसी तरह, धारा 24(डी) प्रमाण पत्र, परमिट, या अप्रवास मंजूरी समर्थन जैसे अप्रवासन दस्तावेजों में कोई भी अनधिकृत परिवर्तन करने या करने के कार्य को अपराध मानती है। इसमें उचित प्राधिकरण के बिना आधिकारिक दस्तावेजों पर जानकारी बदलना शामिल हो सकता है, जो अधिनियम के तहत अवैध है। उत्प्रवास प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दोनों कार्यों को गंभीर अपराध माना जाता है।

सन् 1967 के बने पासपोर्ट अधिनियम में ऐसे प्रावधान शामिल हैं जो अवैध अप्रवासन के लिए भी प्रासंगिक हैं। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12(1)(बी) किसी व्यक्ति के लिए पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए गलत जानकारी प्रदान करना या बिना अनुमति के पासपोर्ट में बदलाव करना गैरकानूनी बनाती है। दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को दो साल तक की कैद, 5,000 रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। नई भारतीय न्याय संहिता में धारा 336 जालसाजी को परिभाषित करती है। इसमें कहा गया है कि जो कोई भी इस इरादे से जालसाजी करेगा कि जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का इस्तेमाल धोखाधड़ी के उद्देश्य से किया जाएगा, उसे सात साल तक की कैद की सजा दी और जुर्माना लगाया जा सकता है। इस प्रावधान का उपयोग निर्वासित अवैध अप्रवासियों के खिलाफ किया जा सकता है। लेकिन, यह मामला-विशिष्ट है और कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर निर्भर करता है।

भारत में अवैध अप्रवासन की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय सरकार संसद के चल रहे बजट सत्र के दूसरे भाग में अप्रवासन और विदेशी विधेयक 2025 ला सकती है। यह विधेयक उन सभी चार मौजूदा कानूनों को निरस्त करता है, जो विदेशियों के आव्रजन और आवाजाही से संबंधित है। इस विधेयक का उद्देश्य वैध पासपोर्ट या वीजा के बिना भारत में प्रवेश करने वाले विदेशियों को कड़ी सजा देना है। प्रस्तावित कानून मौजूदा कानूनों यानी पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920, विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम, 1939, विदेशी अधिनियम, 1946 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम, 2000 का स्थान लेगा।

प्रस्तावित विधेयक भारत में प्रवेश करने वाले या बाहर जाने वाले लोगों के पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों और वीजा और पंजीकरण प्राप्त करने वाले विदेशियों के लिए कानूनों की बहुलता और ओवरलैपिंग से बचने के लिए अधिनियमित किया जाएगा। विधेयक में आव्रजन अधिकारी के कार्यों, पासपोर्ट और वीजा की आवश्यकता और विदेशियों और उनके पंजीकरण से संबंधित मामलों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। विधेयक के अनुसार किसी भी विदेशी को भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत की संप्रभुता और अखंडता, किसी विदेशी राज्य के साथ संबंधों या सार्वजनिक स्वास्थ्य या केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट अन्य आधारों पर खतरे के कारण ऐसा करने के लिए अस्वीकार्य पाया जाता है। पहले भी, विदेशियों को प्रवेश से वंचित किया गया है। लेकिन, किसी भी कानून या नियम में कारणों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।

विधेयक में विदेशियों और उनके पंजीकरण से संबंधित मामलों को निर्दिष्ट करने के साथ-साथ विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने वाले विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और अन्य चिकित्सा संस्थानों की भूमिका भी निर्धारित की गई है। विधेयक के खंड 9 में कहा गया है कि किसी भी विदेशी को प्रवेश देने वाले प्रत्येक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान या किसी अन्य संस्थान को ऐसे विदेशी के संबंध में पंजीकरण अधिकारी को निर्धारित तरीके से जानकारी प्रस्तुत करनी होगी। विधेयक के खंड 10 में कहा गया है कि प्रत्येक अस्पताल, नर्सिंग होम या अपने परिसर में चिकित्सा, आवास या सोने की सुविधा प्रदान करने वाला कोई भी अन्य चिकित्सा संस्थान, इनडोर चिकित्सा उपचार लेने वाले किसी भी विदेशी या उनके परिचारक के संबंध में पंजीकरण अधिकारी को जानकारी प्रदान करेगा, जिसके लिए निर्धारित तरीके से ऐसी आवास या नींद की सुविधा प्रदान की गई है।

पहले, ऐसे संस्थानों के लिए कोई परिभाषित नियम नहीं थे और विदेशियों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के साथ पंजीकरण करने के लिए कहा जाता था। वर्तमान में, होटल और गेस्ट हाउस के लिए विदेशियों के पासपोर्ट विवरण पुलिस के साथ साझा करना अनिवार्य है। प्रस्तावित कानून केंद्र को भारत के भीतर विदेशियों के प्रवेश, निकास और आंदोलन को प्रतिबंधित या विनियमित करने की शक्ति भी देता है। यह विधेयक वाहकों के दायित्व और विदेशियों के लिए दायित्वों को भी निर्धारित करता है। यह वाहक पर उस विदेशी को हटाने की जिम्मेदारी डालता है जिसे भारत में प्रवेश से वंचित कर दिया गया है। यदि कोई विदेशी जिसके प्रवेश से इंकार कर दिया गया है, तो ऐसे विदेशी को आव्रजन अधिकारी द्वारा वाहक को सौंप दिया जाएगा और यह उस वाहक की जिम्मेदारी होगी कि वह बिना किसी देरी के उसे भारत से निकालना सुनिश्चित करें।

नए विधेयक के अनुसार, बिना पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज के भारत में प्रवेश करने वाले विदेशी को पांच साल की कैद या पांच लाख रूपए का जुर्माना या दोनों होंगे। विधेयक में प्रस्तावित है कि जाली या धोखाधड़ी से प्राप्त पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों या वीजा का उपयोग या आपूर्ति करने पर कम से कम दो साल की कैद की सजा होगी, जिसे सात साल तक बढ़ाया जा सकता है। कम से एक लाख रूपए का जुर्माना होगा, जिसे दस लाख रूपए तक बढ़ाया जा सकता है। वीजा सीमा से अधिक समय तक रुकने वालों को तीन साल की सजा और तीन लाख रुपए का जुर्माना लगेगा।

आप्रवासन और विदेशियों पर मौजूदा कानून पुराने हैं, जो स्वतंत्रता-पूर्व युग (1920-1946) के हैं। ये कानून युद्धकालीन परिस्थितियों के दौरान बनाए गए थे और अब भारत की वर्तमान सुरक्षा और आव्रजन चुनौतियों के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, तकनीकी प्रगति, उभरते सुरक्षा खतरों और बढ़ते वैष्विक प्रवासन के कारण, सरकार को मानना है कि आप्रवासन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक एकल, व्यापक कानून की आवश्यकता है। अप्रवासन और विदेशी विधेयक, 2025, एक प्रमुख विधायी सुधार है। इसका उद्देश्य भारत की अप्रवासन प्रणाली को आधुनिक बनाना, सीमा सुरक्षा को मजबूत करना और विदेशी विनियमन में सुधार करना है। पुराने कानूनों को एकल, व्यापक अधिनियम से बदलकर, सरकार का लक्ष्य वीजा नीतियों को सुव्यवस्थित करना, उल्लंघनों के लिए दंड बढ़ाना और विदेशी पंजीकरण पर सख्त नियंत्रण लागू करना है। हालांकि, सफल कार्यान्वयन के लिए मानवाधिकारों के साथ सुरक्षा चिंताओं के सावधानीपूर्वक संतुलन की आवश्यकता होगी। यह भी सुनिश्चित करना होगा, कि वैध यात्रियों, छात्रों और प्रवासियों को अनावश्यक नौकरशाही बाधाओं का सामना न करना पड़े।

परवरिश

रानी प्रियंका वल्लरी

शिक्षा के साथ प्यार की थपकी भी जरूरी

बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ प्यार की थपकी भी ज़रूरी है। आपका साथ बच्चों को साहस बढ़ाती है। अपनी ज़िम्मेदारी बच्चों पर जबरन थोपना मानसिक दबाब है। बच्चे विक्षिप्त हो सकते हैं। आपके लिए उनके हृदय में बस घृणा ही पलेगी। बार बार बच्चों पर किए गये खर्च का हिसाब किताब बच्चों के दिमाग में भारयुक्त होगा।

कोई कठोर तो कोई भावुक होता है। कठोर तो अपने जीवन को व्यतीत कर लेता है। वह दिमाग से काम लेता है। भावुक लोग बड़े मासूम होते हैं। यह जल्दी जीवन को हार बैठते हैं।

सबके समझने के तरीके अलग है। पढ़े लिखे बच्चों के सोचने समझने का विस्तार होता है। वह सकारात्मक रहना चाहते हैं। वह स्वविकास के साथ साथ समाज का विकास भी चाहते है। जीवन जीने का नज़रिया अलग होता है। अपने जीवन में खुशियां पाना और बाँटना दोनों चाहते हैं। वह अपने पैशन और फ़ैशन दोनों में इंट्रेस्ट रखते हैं। इन कामों से वह आनंदित रहते हैं। अपना केयर करते हैं अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होते हैं। उन्हें किसी दूसरे का उदाहरण देकर कमतर बताना उनके मनोबल को हतोत्साहित करना होगा। यह नही जो पड़ोसी और रिश्तेदारी के बच्चे अच्छे नम्बर लाए या अच्छी नौकरी लग गई तो उनका उदाहरण देकर बच्चे पर तंज़ कसना आपकी नादानी होगी।

बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। मानसिक विकार और अवसाद में इस कदर तक चले जाते हैं जो उन्हें लगता है। यह सब सोच कर इतने आवेग में आ जाते हैं जो उन्हें लगता है मौत ही बेहतर हैं। बच्चे सन्यास ले रहे हैं।बच्चे दिनों दिन घर से दूरी बना पर्यटक बन घूमते दिखते हैं। वह परिवार समाज से

दूरी बना अकेले रह रहे हैं। वह परिवार में वापिस आना नहीं चाहते। वह एकांत में रहना चाहते हैं।

जीवन को सुखमय बनाने के लिए किए गये मेहनत पर पानी उड़ेलना अच्छी बात नहीं। बच्चे जहां जाना चाहते हैं वहां साथ और सुझाव दीजिए। चाहे वह धन राशि हो या आपका साथ। तभी अच्छे फसल की उम्मीद की जा सकती हैं।

अपने आचार व्यवहार में भी संस्कार और सभ्यता रखिए। अपना दिनचर्या भी कुशल रखना उतना ही ज़रूरी है,जीतना आप उम्मीद करते हैं बच्चों से। घर में सकारात्मक माहौल बना कर रखना बेहद जरूरी। अपने बच्चे के दिमाग में विचार डालने के बजाय, ये प्रश्न उसे यह आश्वासन दे सकते हैं कि कोई उसकी परवाह करता है और वह आपके बच्चे को समस्याओं के बारे में बात करने का मौका देगा।

माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों को हमेशा सावधानी और सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। आत्महत्या के विचार या योजना वाले किसी भी बच्चे या किशोर का तुरंत एक प्रशिक्षित और योग्य मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर द्वारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

उन्हें एहसास कराइए की उनका कोई फिक्र करता है। हिम्मत हार कर मौत को गले लगाना कायरता है। जीवन रणभूमि है यहां समयानुसार इंसान को अपने मस्तिष्क को तैयार रखना चाहिए। जीवन में बदलाव जब भी आता वह अनायास ही आता है। चाहे वह निराशा हो या प्रसन्नता। जीवन का सार यही है। हम मनुष्य है। हम हर जीवों में श्रेष्ठ है। हमे अपने दिमाग पर संतुलन रखना आना चाहिए। जीवन में आधार होना चाहिए। जीवन को निराधार रखना ज्ञान की पहचान नहीं।

फिल्म समीक्षा

डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

हाशिए पर रखे इतिहास को केन्द्र में लाती छावा

कुछ तो षड्यंत्र रचा होगा कि शिवाजी, संभाजी जैसे अनगिनत किरदारों को कथित इतिहासकारों ने हाशिए पर रखने का दुस्साहस कर पाए/ पूरी के पूरी तीन चार पीढ़ियाँ अकबर महान और शाहजहाँ की मोहब्बत के कसीदे ताज को देख देख कर काढ़ते रहे/ जिस औरंगजेब ने जबरिया धर्म परिवर्तन और क्रूरता की हदें पार कर दी उसके नाम का विलय होना था वहीं दशकों तक संपूर्ण मुगल काल को ग्लेमराईज कर दिखाया जाता रहा/ आतंक, हिंसा, क्रूरता और एक धर्म के प्रति लगाव ने सदियों तक धार्मिक उन्माद पैदा किया गया, दूसरे धर्म के धर्म स्थल योजनानुसार सबूत सहित तोड़े गए, बिखेरे गए/ एक कट्टर कौम ने धर्म के नाम पर ही तांडव सा और ऐसे ही एक यौद्धा संभाजी भौसले के कालखंड को अभिव्यक्त करती है फिल्म छावा/ छत्रपति शिवाजी की ही तरह संभाजी भी वीरता की ऐसी अनुठी दास्तान व्यक्त करते हैं जिसे देखकर प्रत्येक देशवासी का सिर गर्व से ऊपर उठ जाना चाहिये/ युद्ध कौशल केवल बल का ही नहीं युक्ति का भी संगम है यह दर्शाता है/ युद्ध परिस्थितिजन्य होते हैं लेकिन मानवता के साथ लड़े युद्ध हमेशा याद रखे जाते हैं/ मुगलों की साम्राज्यवादी नितियों और धार्मिक कट्टरता के चलते, विशेषकर औरंगजेब की साम्प्रदायिक नितियों के कारण विद्रोह उत्पन्न होते रहे और संभाजी द्वारा किया गया यह युद्ध भी उसी का वृतांत है जिसे फिल्म के पर्दे पर बखुबी उतारा गया है।

छत्रपती संभाजी महाराज (शिवाजीराजे भोसले)(1657-1690) मराठा साम्राज्य के द्वितीय छत्रपति राजा, लेखक, विचारक और छत्रपती शिवाजी महाराजान के उत्तराधिकारी थे/ बीजापुर और गोलकुण्डा का शासन हिन्दुस्तान से समाप्त करने में छत्रपती शंभाजी राजेन की प्रमुख भूमिका रही। छत्रपती संभाजी राजे अपनी वीरता और विद्वत्ता के लिये प्रसिद्ध थे। उन्होंने 14 वर्ष की आयु में हिंदू शास्त्रों तथा संस्कृत और मराठी भाषाओं में अच्छी पकड़ हासिल कर उत्कृष्ट साहित्य सर्जन किया था।

मुगल औरंगज़ेब के साथ उनका संघर्ष इतिहासप्रसिद्ध है। छत्रपती संभाजीराजे अपने कम समय के शासन काल में 210 युद्ध किये और इसमे एक प्रमुख बात ये थी कि उनकी सेना एक भी युद्ध में पराभूत नहीं हुई। उनके पराक्रम की वजह से परेशान हो कर औरंगज़ेब ने कसम खायी थी के जब तक छत्रपती संभाजीराजे पकड़े नहीं जायेंगे, वो अपना किमोंश सर पर नहीं चढ़ाएगा। 11 मार्च 1689 में औरंगजेब के सेनाओं ने छत्रपती संभाजी महाराजान को हासिल किया और औरंगजेब ने महावीर छत्रपती संभाजी महाराजान की बड़ी क्रूरता के साथ निंदनीय हत्या कर दी।

शंभाजी महाराज का जन्म 14 मई 1657 ई. को पुरंदर के किले में । वे महान छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी पहली पत्नी सईबाई के पुत्र थे। जब वे ढाई साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया। मां की मृत्यु के बाद शंभुराजे का पालन पोषण उनकी दादी जीजाबाई ने किया। संभाजी राजे न केवल अपनी दादी के करीब थे, बल्कि वे अपने दादा शाहजी महाराज के भी करीब थे/ जीजाबाई ने अपने पुत्र शिवाजी की तरह ही पोते शंभाजी में भी राष्ट्रप्रेम, धर्मप्रेम, हिन्दवी स्वराज, देव-देश-धर्म ओर आदर्श जीवन मूल्यों को स्थापित किया। इसके अलावा उन्होंने गणित,तर्क,भूगोल, इतिहास, पुराण, रामायण, व्याकरण आदि का ज्ञान काशीराम शास्त्री से अर्जित किया, पिता शिवाजी ने उन्हें शारीरिक प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने अपने उम्र के केवल 14 साल में उन्होंने बधभूषण, नखशिख, नायिकाभेद तथा सातशातक यह तीन संस्कृत ग्रन्थ लिखे थे, जो उनकी प्रखर विद्वत्ता का परिचय है।

शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र होने के नाते, संभाजी अपने पिता द्वारा हिन्दवी स्वराज के निर्माण के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए बड़े हुए। मराठा साम्राज्य के राजकुमार के रूप में, संभाजी ने एक से अधिक अवसरों पर अपनी बहादुरी और सैन्य प्रतिभा साबित की। उन्होंने 16 साल की उम्र में रामनगर में अपना पहला युद्ध लड़ा और जीता और 1675-76 के दौरान उन्होंने गोवा और कर्नाटक में सफल अभियानों का नेतृत्व किया।

शिवाजी महाराज की मृत्यु के तीन महीनों बाद शंभाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ, छत्रपति बनते ही उन्होंने कई प्रजा कल्याण के कार्य किए, सार्वजनिक मार्गों एवं जल निकास व्यवस्था का जीर्णोद्धार कराया, किसानों के ऊपर के कर को घटाया, प्रजा को निःशुल्क उपचार और ओषधि उपलब्ध करवाए।

छत्रपति संभाजी महाराज और मुकर्रब खान के बीच संगमेश्वर के पास भयंकर युद्ध हुआ। अंततः, मुकर्रब खान, गणोजी शिर्के के विश्वासघात के कारण, छत्रपति संभाजी महाराज को पकड़ने में सफल रहा।

गणोजी शिर्के का यह कृत्य इतिहास में स्वराज्यद्रोह (राजद्रोह) के रूप में दर्ज हो गया। उसने अपनी बहन महारानी येसूबाई को विधवा बना दिया और स्वराज्य को अपार क्षति पहुंचाई। इसी कारण, गणोजी शिर्के और उनके वंशजों को स्वराज्य से बहिष्कृत कर दिया गया।

सबसे पहले जुल्फिकार खान सेना के साथ छत्रपति संभाजी भोसले और कवि कलश को कराड-बारामती के रास्ते बहादुरगढ़ ले गये. फिर अंतिम अंतिम दिनों में उन्हें भीमा, भामा और इंद्रायणी के त्रिवेणी संगम पर स्थित गांव तुलापुर ले जाया गया। वहां औरंगजेब ने उन दोनों के साथ बहुत अमानवीय व्यवहार किया। औरंगजेब ने संभाजी राजे और कवि कलश को जोकरों के कपड़े पेहनाकर ऊँटों पर बाँधकर उनका अपमान किया। कुछ लोगों ने पत्थर, कीचड़, गोबर आदि फेंके। शंभुराजे और कवि कलश दोनों ने अपनी आराध्य देवी का नाम 'जगदंबा, जगदंबा' जपते हुए यह सब झेला। अपमानित कृत्य के बाद, संभाजी महाराज को औरंगजेब के दरबार में ले जाया गया। वहां औरंगजेब ने अपने जीवित रहने के लिए संभाजी महाराज के सामने तीन शर्तें रखीं।

1. सभी मराठा किलों पर कब्ज़ा करें और मराठा साम्राज्य के छिपे हुए खजाने को उजागर करें।
2. उन मुगल गद्दारों के नाम उजागर करें जो मुगल दरबार के अधिकारी थे।
3. इस्लाम कबूल करो।

छत्रपति संभाजी महाराज ने सभी शर्तों का अस्वीकार किया। औरंगज़ेब ने फिर से उन्हें इस्लाम काबुल करने को कहा तब संभाजी ने उनसे कहा 'धर्म मेरा प्राण है और में उसको नहीं छोड़ सकता।'

अपनी शर्तों का अस्वीकार करने के कारण औरंगज़ेब से संभाजी ओर कवि क्लश को अमानवीय यातनाएं देना शुरू कर दी। मुग़ल सैनिक धीरे-धीरे चिमटी से कभी उनके नाखूनों को उखाड़ देते, सारे नाखून निकाल देने के बाद वे एक-एक करके अपनी उंगलियाँ काट लेते थे। अपने असहनीय दर्द के बावजूद वे औरंगज़ेब जब भी कारावास आता उसे कुछ न कुछ बोलते। हर अत्याचार के बाद, औरंगजेब ने संभाजी को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने हर बार इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। एक दिन गुस्से से औरग़ज़ेब ने उनकी जीभ काट देने का हुक्म दिया, कुछ दिन बाद उनकी त्वचा छील दी गयी, उसके बाद गरम सलाखों से उनकी आँखें निकाल दी गयी। कुछ दिन बाद एक-एक करके दोनों हाथ काट दिये गए। अंत में, उनका सिर काट दिया गया और एक विशेष हथियार से उनका धड़ दो टुकड़ों में विभाजित कर दिया गया और सब टुकड़ों को मुगलों द्वारा तुलापुर में भीमा नदी के संगम पर फेंक दिया गया।

जबरिया कर वसूली, धर्म परिवर्तन, दूसरे धर्मों का अपमान, स्त्रियों के साथ अमानवीय अत्याचार ने जहाँ औरंगजेब को दरिंदगी की हद तक पहुंचाया वहीं जैसा किया वैसा भरा की तर्ज पर अपने पिता और पुत्र के लिए भी विश्वासपात्र नहीं बन सका/ मुगलों में अपने खून को ही धोखा देने की परम्परा रही है और उसी कारण से अविश्वास हरदम उनके आसपास ही रहा/ जीवन में शंहशाह बनने पर भी कभी कोई मुगल सुकून से नहीं बैठ सका/ दूसरों से हड़पना और दूसरों को कष्ट देने की नितियों ने मुगलों को सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं का आभास करवाया और कोई भी इतिहासकार इस कायरता को कभी खुले मन से अनजाने डर या अघोषित पढ़यंत्र के कारण अभिव्यक्त नहीं कर पाया/ छावा वास्तव में औरंगजेब और मुगलों की दमनकारी कार्यशैली के बावजूद आज भी भारतवर्ष में सभी धर्म, सम्प्रदाय, जाति, भाषा के साथ उसी दमखम के साथ जीवित हैं जबकि मुगलों सारे वंशज बदहाल हैं।

कुल मिलाकर फिल्म छावा जोशीली, गर्वीली, ईमानदार और प्रभावी प्रस्तुति है जिसे थोड़ा और स्पष्ट किया जाता तो आम लोगों तक पहुँच बढ़ सकती थी/ युद्ध मे लगने वाली युक्तियाँ खास तौर पर गुरिल्ला युद्ध पद्यति के कई अनदेखे अनसुने ट्रिक्स भी दिखाने का साहस किया गया जिनका पिक्चराईजेशन शानदार है/ फिल्म में इतिहास को सामने रखा गया है कुछ नाटकीय रूपांतरणों के अलावा/ विक्की कौशल ने अपनी मासुमियत के बाद भी श्रेष्ठ अभिनय किया है/ जिन्हें मराठा इतिहास की समझ नहीं है वो इस फिल्म में इतने सारे करैक्टर नहीं समझ पाएंगे इसलिए थोड़ी स्पष्टता पहले ही दे देना अच्छा होता/ जब औरंगज़ेब अपने कैंप में संभाजी को अमानवीय यातनाएं देता है तब हमारी आँखों में आंसू तो होते है पर डर नहीं ज़ंजीरों में बंधे संभाजी का बेख़ौफ़ चेहरा और गरजती आवाज़ हमारे अंदर तक तूफानी ऊर्जा पैदा कर देती है / फिल्म सभी को देखना चाहिये ताकि सभी को स्वराज का असली अर्थ पता चल सके/ और यह भी पता चल सके कि कैसे 25 हज़ार लोग दुनिया की सबसे बड़ी 8 लाख की मुग़ल फौज से भिड़ जाते थे और पलक झपकते उन्हें धूल चटा देते थे / गद्दारी नहीं होती तो मुगल इतने आगे कभी बढ़ नहीं पाते/ विक्की कौशल के अलावा और किसकी एक्टिंग बहुत अच्छी है उनमें आशुतोष राणा (हमवीरराव मोहिते), अक्षय खन्ना (औरंगज़ेब), विनीत कुमार (कवि कलश), दिव्या दत्ता (सोयराबाई), डायना पेंटी (जीनत), रश्मिका मंधाना (येशुबाई) जिसमें से औरंगजेब बने अक्षम खन्ना ने तो जीवंतता की सारी सीमाएँ लांघ कर उस चरित्र को नया स्वरूप दिया है।

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD. | CII Confederation of Indian Industry | EY Shape the future with confidence

अनंत संभावनाओं की भूमि मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है

औद्योगिक विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दृढ़ प्रतिबद्धता से मध्यप्रदेश में निवेश का मजबूत ईको सिस्टम विकसित हुआ है। अपनी निवेशक अनुकूल नीतियों एवं 'स्टार्ट योर बिज़नेस इन 30 डेज़', एकल खिड़की व्यवस्था, ईज़ ऑफ डूईंग बिज़नेस में अग्रणी एवं अपार संसाधनों के साथ प्रदेश निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष - 2025

कार्यक्रम

24 फरवरी 2025

प्रातः 7:30	पंजीयन
	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 11:45–सायं 6:30	टेक इन्वेस्ट – समिट हॉल 1
प्रातः 11:45–दोपहर 2:00	नवीनीकृत मध्यप्रदेश – समिट हॉल 2
दोपहर 3:15 - सायं 7:00	फीडर सोलराइजेशन समिट : 2000 मेगावॉट कुसुम सी की प्रीबिड – समिट हॉल 2
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 11:45 –दोपहर 12:45	ग्लोबल साउथ पर सेशन – कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:45–1:45	जर्मनी और मध्यप्रदेश के लिए निवेश रणनीतियों पर सत्र – कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:30	जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग पर सत्र - कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 11:45–दोपहर 12:45	मॉलिक्यूल टू मशीन (फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेस)- सेशन हॉल 1
दोपहर 1:15–2:15	इन्वेस्टिंग इन ह्यूमन कैपिटल (स्किल डेवलपमेंट) - सेशन हॉल 1
सायं 4:30–5:30	सड़क निर्माण के बुनियादी ढांचे में गति लाना : निवेश, नवाचार और संभावनाएं - सेशन हॉल 3
	सीआईआई मीटिंग
दोपहर 2:00-3:00	महिला उद्यमियों एवं स्टार्ट-अप्स के लिए नेटवर्किंग के अवसरों पर सीआईआई आईडब्ल्यूएन सत्र - कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:00–सायं 4:00	सीआईआई राष्ट्रीय वस्त्र एवं परिधान समिति- कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 4:00–5:00	सीआईआई राष्ट्रीय एमएसएमई काउंसिल मीटिंग - कॉन्फ्रेंस हॉल
सायं 5:00-7:00	द विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 3:30–सायं 4:00	एमओयू सेशन – सेशन हॉल 3

25 फरवरी 2025

	सेक्टर आधारित सत्र
प्रातः 9:30–11:15	मध्यप्रदेश प्रवासी समिट- समिट हॉल 2
प्रातः 10:30–दोपहर 12:30	पर्यटन समिट- समिट हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 1:30	माइनिंग समिट- समिट हॉल 2
दोपहर 2:00–सायं 4:00	एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप समिट – मुख्य हॉल
दोपहर 2:00–सायं 4:00	शहरी विकास समिट- समिट हॉल 1
	प्री-बिड सेशन
प्रातः 10:00–11:30	मुरैना सोलर- बीईएसएस प्रोजेक्ट– सेशन हॉल 1
प्रातः 11:30–दोपहर 12:00	मुरैना यूपी-एमपी कॉम्प्लिमेन्टैरिटी प्रोजेक्ट- सेशन हॉल 1
दोपहर 12:00–2:00	रुफटॉप सोलर (RESCO)- सेशन हॉल 1
	पार्टनर कन्ट्री सेशन
प्रातः 10:30–11:30	कनाडा राउन्ड टेबल- कॉन्फ्रेंस हॉल
दोपहर 12:00–1:00	बहुराष्ट्रीय निवेश सत्र- कन्ट्री सेशन हॉल
दोपहर 2:30–3:30	पोलैंड कन्ट्री सेशन- कन्ट्री सेशन हॉल
	थीमेटिक सेशन
प्रातः 10:30–11:30	नए युग का आरंभ (वस्त्र एवं परिधान)- सेशन हॉल 2
प्रातः 11:00–दोपहर 12:30	फ्यूचर फ्रंटियर्स- एमपी स्टार्टअप पिचिंग सेशन- सेशन हॉल 3
दोपहर 12:00–1:00	सीड टू शेल्फ (खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी)- सेशन हॉल 2
दोपहर 12:30–1:30	थीमेटिक सेशन (को-ऑपरेटिव)- सेशन हॉल 3
दोपहर 2:30–3:30	ग्रीन हाइड्रोजन- सेशन हॉल 1
दोपहर 2:00–3:00	लॉजिस्टिक्स: दुनिया से जुड़ता मध्यप्रदेश- सेशन हॉल 2
	इन्वेस्ट मध्यप्रदेश समापन सत्र
सायं 4:30–6:00	ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - मुख्य हॉल

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य और डेयरी प्रसंस्करण
- ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स
- टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स
- फार्मा, मेडिकल डिवाइस और हेल्थ केयर
- आईटी/आईटीईएस/ ईएसडीएम
- नवीकरणीय ऊर्जा
- लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण
- प्राकृतिक गैस एवं पेट्रो रसायन
- एयरोस्पेस एवं डिफेंस
- पर्यटन
- माइनिंग
- कौशल निर्माण
- शहरी विकास

अधिक जानकारी के लिये
invest.mp.gov.in

D-11195/24

मुख्य आकर्षण

- एमपी मोबिलिटी एक्सपो
- सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो
- ओडीओपी विलेज
- कन्ट्री सेशन
- एमपी पवेलियन
- एग्जीबिशन एवं एक्सपो
- एमपी बिजनेस एग्जीक्यूटिव मीट (बी2बी मीटिंग)
- मध्यप्रदेश सरकार एवं बिजनेस मीट (बी2जी मीटिंग)

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात का 119वां एपिसोड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुनी मन की बात

भोपाल(नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आत्मीय संवाद के अनुक्रम में 'मन की बात' के 119वें एपिसोड का रविवार को सजीव प्रसारण हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) के निज कार्यालय कक्ष से प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात प्रसारण का श्रवण किया। मन की बात के इस एपिसोड में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उत्तराखंड में हाल ही में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय खेलों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें देशभर के 11 हजार से अधिक एथलीट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में इस आयोजन ने देवभूमि के नए स्वरूप को पेश किया। उन्होंने इन खेलों में हुए कुछ यादगार प्रदर्शनों की भी चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के 19 साल के पोल वाल्टर श्री देव कुमार मीणा की सराहना करते हुए कहा कि देव कुमार ने साबित किया है कि भारत का खेल भविष्य बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों ने हमें यह भी दिखाया है कि कभी हार न मानने वाले 'जीतते' जरूर हैं। कम्फर्ट के साथ कोई चैम्पियन नहीं बनता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश के पोल वाल्टर की सराहना से हम गौरवान्वित हैं। पोल वाल्ट खेल में देव कुमार का उत्कृष्ट प्रदर्शन यह बताता कि हमारा प्रदेश खेलों और खिलाड़ियों के विकास और इनके प्रोत्साहन में कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाज सुधारक संत गाड़गे जी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' में लिखा है कि संत गाड़गे जी महाराज का समाज सुधार, शिक्षा, स्वच्छता और सेवा के प्रति अद्वितीय योगदान लोक कल्याण की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत गाड़गे जी द्वारा तत्कालीन समाज में फैले अंधविश्वास, आडंबर, रूढ़ियों, कुरीतियों और दुर्व्यसनों के खिलाफ जागरूकता लाने के सद्प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत गाड़गे जी के विचार और आदर्श अनंतकाल तक समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि संत गाड़गे जी महाराज ने अपने जीवन में समाज सुधार, विशेष रूप से स्वच्छता व शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उनके विचार और योगदान आज भी प्रासंगिक होकर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

आईएएस ने टिकट कैंसिल की,ट्रैवल कंपनी ने नहीं लौटाए पैसे

- ईज माय ट्रिप को देना होगा हर्जाना, अफसर बोले- बात अमाउंट की नहीं, हक की थी

फैज अहमद किदवई, IAS

भोपाल (नप्र)। भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने ग्राहक के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मामला मध्यप्रदेश के सीनियर आईएएस फैज अहमद किदवई से जुड़ा है। उन्होंने टिकट रद्द होने पर रिफंड की मांग को लेकर एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ शिकायत की थी। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल और सदस्य प्रतिभा पांडे ने हाल ही में ट्रैवल कंपनी ईज माय ट्रिप को 26 हजार रुपए वापसी का आदेश दिया है। वहीं, 7 हजार रुपए मानसिक कष्ट व अन्य खर्च के हर्जाने के रूप में देने का आदेश दिया है। फैसले के बाद फैज अहमद किदवई ने कहा कि टिकट कैंसिल किया था, लेकिन ट्रैवल कंपनी ने पैसा रिफंड नहीं किया।

अचानक कैंसिल करनी पड़ी थी यात्रा

सीनियर वकील भावना यादव ने बताया कि सीनियर आईएएस फैज अहमद किदवई अपनी पत्नी के साथ लंदन घूमने जा रहे थे। फ्लाइट मुंबई से थी इसलिए उन्होंने 13 नवंबर 2022 को भोपाल से मुंबई और 27 नवंबर 2022 को मुंबई से भोपाल के लिए हवाई टिकट बुक किए थे। यह टिकट उन्होंने Ease My Trip के माध्यम से IndiGo और Air India से खरीदे थे। हालांकि, 5 नवंबर 2022 को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें Moderately Differentiated Adenocarcinoma (एक प्रकार का कैंसर) होने का पता चला। स्थिति इतनी गंभीर थी कि डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत यात्रा स्थगित करने और उचित इलाज लेने की सलाह दी। इसी कारण उन्होंने अपनी मुंबई यात्रा रद्द करने और टिकट की राशि वापस पाने के लिए एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसी से संपर्क किया। Ease My Trip ने कहा कि टिकट की राशि वापस करने का फैसला एयरलाइंस का होगा और उन्होंने खुद को इस मामले से अलग कर लिया।

उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया

बार-बार संपर्क करने और महीनों इंतजार करने के बाद भी जब फैज अहमद किदवई को अपनी टिकट राशि वापस नहीं मिली तो उन्होंने भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग में 6 अप्रैल 2023 को केस दायर किया। बताया कि एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसी ने अनुचित व्यापारिक प्रथाओं का पालन किया। उनकी गंभीर चिकित्सीय स्थिति के बावजूद रिफंड से इनकार किया गया, जबकि मेडिकल आपातकाल में टिकट वापसी के लिए कंपनियों की अपनी नीतियां होती हैं। मानसिक तनाव और आर्थिक हानि के लिए उन्हें उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद और संवाद से ही हिंदी का विस्तार संभव

भोपाल। यदि हमें हिंदी का विस्तार करना है तो दूसरी भारतीय भाषाओं का साथ लेना ही होगा। विभिन्न भाषाओं में रचे गये साहित्य के अनुवाद तथा आपसी संवाद स्थापित कर ही हम हिंदी को अपेक्षित स्थान दिला सकते हैं। यह कहना है कवि-कथाकार और रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे का। वे आज ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में पुस्तक 'विदेश में हिंदी पत्रकारिता' के लोकार्पण समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी थे। विशेष अतिथि के रूप में अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति के संयोजक इंद्रजीत शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय और अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र,रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि ने साझा तौर पर किया था। अपने उद्बोधन में डॉ. संतोष चौबे ने कहा कि अभी तक हमने भाषाओं के बीच रेखाएं ही खींची हैं, लेकिन अब समय आ गया है जब हमें इन्हें जोड़ना होगा। संतोष चौबे ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र,रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि और वनमाली पीठ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने पुस्तक के लेखक डॉ. जवाहर कर्णावट के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हालांकि पुस्तक का अन्य स्थानों पर लोकार्पण हो चुका है, किंतु सप्रे संग्रहालय में इसका लोकार्पण जरूरी था क्योंकि यह पत्रकारिता का तीर्थ है। आज जाकर कर्णावट की पुस्तक सही मायने में लोकार्पित हुई है।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी ने सहज और सरस अंदाज में वक्तव्य देते हुए कहा कि आज की पत्रकारिता चमक-दमक से भरी हुई है, लेकिन इसमें विचारों का स्थान नहीं है। अमेरिका से पधारे विशेष अतिथि इंद्रजीत शर्मा ने कहा कि पहले मारीशस,फिजी जैसे देशों में हिंदी पत्रकारिता पर कार्य हुए थे, लेकिन आज 100 से भी ज्यादा देशों में हिंदी पत्रकारिता पर कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि यूएस में सुप्रसिद्ध आर्य समाजी पं.लेखराम के नाम पर एक मार्ग स्थापित किया है।

संग्रहालय के संस्थापक निदेशक तथा लोकार्पित पुस्तक की भूमिका लिखने वाले पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि इस पुस्तक में 27 देशों में पिछले 120 वर्षों के पत्रकारिता के इतिहास को संजोया गया है। लेकिन अब यह काम 100 देशों तक फैल चुका है। यह कार्य वहां रहने वाले भारतीयों के प्रयासों से ही हो पाया है। इन प्रयासों को दूर-दूर तक पहुंचाने का कार्य कर्णावट जी ने एक अनुष्ठान की तरह किया है। इसके लिए वे साधुवाद के पात्र हैं। श्रीधर ने उन्हें 'हिंदी दूत' की संज्ञा भी दी।

पुस्तक के लेखक जवाहर कर्णावट ने पुस्तक की यात्रा के बारे में बताया कि बैंक में नौकरी के दौरान महसूस किया कि हिंदी को दोयम दर्जे का स्थान दिया जाता है। इसके बाद मन में आया कि हिंदी के लिए कुछ करना चाहिए। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में विश्व में हिंदी की स्थिति जानने का विचार आया, तब पाया कि विदेशों में हिंदी और विशेषकर हिंदी पत्रकारिता पर बहुत कार्य हुए हैं। इसके बाद वहां से निकलने वाली पत्रिकाओं को संकलित कर उनकी प्रदर्शनी लगाई। इसके बाद इसे पुस्तकाकार करने का विचार मन में आया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में 27 देशों की जानकारी ही है लेकिन आज 100 देशों में यह कार्य हो रहा है।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत टैगोर विवि के संजय सिंह, सप्रे संग्रहालय की शोध निदेशक डॉ. मंगला अनुजा तथा निदेशक अरविंद श्रीधर ने किया। संचालन कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने तथा आभार प्रदर्शन अरविंद श्रीधर ने किया।

सदर मंजिल में हेरिटेज होटल की शुरुआत,सीएम ने फीता काटा

सबसे पहले रुकेंगे जीआईएस के मेहमान, 126 साल पुरानी विरासत में 22 लग्जरी रूम्स

भोपाल (नप्र)। करीब 126 साल पुरानी विरासत सदर मंजिल अब हेरिटेज होटल के रूप में बदल गई है। यहां सबसे पहले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मेहमान रुकेंगे। सभी 22 रूम्स बुक हो चुके हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को फीता काटकर होटल की शुरुआत की। शनिवार को ही कलियासोत ग्राउंड पर टेंट सिटी की भी ओपनिंग की गई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, सांसद आलोक शर्मा, विधायक आतिफ अकील, बीजेपी जिलाध्यक्ष रविंद्र यति, महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रदेश पदाधिकारी राहुल कोठारी, आशीष अग्रवाल, नेहा बग्गा आदि मौजूद थे। सीएम डॉ. यादव ने विरासत को पुराने वैभव में लौटाने की सराहना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सदर मंजिल हेरिटेज बाय एटमॉस्फियर, भोपाल की समृद्ध विरासत और मध्य प्रदेश की गौरवशाली पहचान का प्रतीक है। बता दें कि सात साल की मेहनत के बाद सदर मंजिल न सिर्फ नए रूप में तैयार हुई है, बल्कि अब यह एक हेरिटेज होटल में तब्दील हो गई है, जहां पहली बार मेहमान ठहरेंगे। इन मेहमानों के लिए सभी कमरे बुक हो चुके हैं, जिन्हें नवाबी दौर की शान-ओ-शौकत से रूबरू होने का मौका मिलेगा।

आज से रुकेंगे मेहमान: 24 और 25 फरवरी को सदर मंजिल में देश की नामी कंपनियों के डायरेक्टर, सीईओ और एमडी ठहरेंगे। रेनोवेशन के बाद पहली बार इसमें मेहमान रात बिताएंगे। लह्लूस के बाद यह होटल आम लोगों के लिए भी खोल दिया जाएगा। मेन्यू सिर्फ वेज होगा। हालांकि, जिस कंपनी को होटल का ठेका मिला है, उसने अब तक रूम्स की कीमतें तय नहीं की है। वहीं, मेन्यू भी जीआईएस के बाद ही तय होगा।

ट्रायल के बाद जीआईएस से शुरुआत का फैसला: सदर मंजिल में बने हेरिटेज होटल की शुरुआत से पहले ट्रायल हो चुका है। ट्रायल में स्टाफ के परिवार के लोग यहां पहुंचे थे। इस दौरान खाने का स्वाद, लाइटिंग और इंटीरियर पर खास ध्यान दिया गया। ट्रायल में होटल पास हुआ, इसलिए इसे जीआईएस से ही शुरू करने का फैसला लिया गया था। यह भवन नवाबी दौर में 'सपनों का महल' रहा है। भारत की आजादी और विलीनीकरण के बाद इस इमारत में कई सालों तक नगर निगम का दफ्तर संचालित होता रहा। 2017 से इसे पीपीपी मोड पर दिया गया था और 7 सालों में यह इमारत नए स्वरूप में दिखाई देने लगी है। टेस्टिंग भी सफल रही है।

पहली बार ये उद्योगपति रुकेंगे

सदर मंजिल में ठहरने वालों में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन मिनेश शाह, नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी, ओमेगा पावर के एमडी हरि प्रकाश समेत सुमित अग्रवाल, कुमार वेंकट सुब्रह्मण्य, केतल मेहता, राहुल संघवी, लवनीश छानना, सतीश संडी, प्रणव शर्मा, विनोद भंडारी, राहुल अवस्थी, हरीश गुप्ता, विपुल यादव, आलोक बिड़ला, शाबिर खान, अतुल वैद्य और राकेश मेरखेड़कर शामिल हैं।

कुंभ से लौटते समय पेड़ से टकराई बोलेरो, 8 घायल

सांची रोड पर चालक को आई नींद की झपकी ; टक्कर की आवाज सुनकर पहुंचे लोग

रायसेन (नप्र)। महाकुंभ से लौट रहे भोपाल के खजूरी कला के निवासी एक परिवार की बोलेरो हादसे का शिकार हो गई। रायसेन के सांची रोड गोपालपुर पर रविवार सुबह साढ़े 6 बजे हुआ हादसा। चालक को नींद आने के कारण गाड़ी पहले पुलिस के सीसीटीवी पोल से टकराई फिर पेड़ में जा भिड़ी। हादसे में आठ लोग घायल हुए हैं। इनमें से एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आने के कारण भोपाल रेफर किया गया। टक्कर की आवाज सुनकर गोपालपुर निवासी मनीष मालवीय और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने वाहन से घायलों को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना में ये लोग हुए घायल-

मलखान सिंह -23
राजू राजपूत -28
आनंद राजपूत -32
सुनीता बाई -45
गुलाब बाई - 50
मोहन बाई -45
सख्शी राजपूत -19
शारदा राजपूत -30

खजूरी कला के रहने बाले थे सभी।

जबलपुर के स्कूल में टीचर ने किया बच्ची से रेप

छुट्टी के बाद तीसरी कक्षा की बच्ची को रोककर की हरकत, बोला-किसी को बताना मत

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के शासकीय स्कूल में 8 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी बच्ची को पढ़ाने वाला टीचर है। घटना बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में 20 फरवरी को हुई है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने टीचर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी टीचर का नाम घनश्याम ठाकुर है, वह बीते 2 सालों से स्कूल में प्राथमिक क्लास में बच्चों को पढ़ाता था।

रोते हुए बच्ची घर पहुंची: 20 फरवरी को स्कूल में जब सभी बच्चे छुट्टी होने के बाद जब अपने-अपने घर चले गए। उसी दौरान आरोपी शिक्षक घनश्याम ठाकुर ने कक्षा तीसरी में पढ़ने वाली 8 साल की बच्ची को रोक लिया। इसके बाद स्कूल में ही बच्ची के साथ रेप किया। रेप के बाद टीचर ने बच्ची को धमकाते हुए घर भेज दिया, और कहा कि किसी तो कुछ भी मत बताना। जैसे-तैसे बच्ची रोते हुए घर पहुंची। माता-पिता ने सारी घटना पूछी तो बच्ची ने बताया कि स्कूल के सर ने उसके कपड़े उतारने के बाद गलत काम किया है।अगले दिन 21 फरवरी को बच्ची के माता-पिता बेलखेड़ा थाना पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

शिक्षक के निलंबन के लिए प्रतिवेदन सौंपा: डीपीसी योगेश शर्मा का कहना है कि जो भी घटना हुई है, वह बहुत ही निंदनीय है। जानकारी लगते ही इस मामले की जांच सीएसी (जनशिक्षक) को जांच सौंपी गई थी। शिक्षक घनश्याम ठाकुर के निलंबन को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को प्रतिवेदन सौंपा है, चूंकि शिक्षक की पदस्थापना जिला शिक्षा कार्यालय से होती है, इसलिए कार्रवाई भी वहां से ही होना है।

कांग्रेस विधायकों के साथ महाकुंभ पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

प्रयागराज में रास्ता भटके हेमंत कटारे, पटवारी भी त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाएंगे

भोपाल (नप्र)। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आज कांग्रेस विधायकों के साथ प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे। सिंघार के साथ उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, विधायक सचिन यादव, पूर्व विधायक नीरज दीक्षित सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

एक ही दिन अलग-अलग पहुंचे कांग्रेस नेता

प्रयागराज महाकुंभ में कांग्रेस के नेता अलग-अलग समूह में एक ही दिन पहुंचे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाई तो वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी अलग मैहर होकर प्रयागराज पहुंचे।

सिंघार बोले- सनातन और हिन्दुओं की पवित्र नदी है गंगा

नेता प्रतिपक्ष ने विधायक सचिन यादव के साथ नौका विहार किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने वीडियो संदेश में कहा- हम प्रयागराज में हैं मां गंगा सनातन और हिन्दूओं में पवित्र नदी मानी जाती है। यहां ऐसा कहते हैं कि महाकुंभ में जब स्नान करते हैं तो मोक्ष मिलता है और कई जन्मों के पुण्य प्राप्त होते हैं। इस देश में धार्मिक आस्था के हिसाब से हम लोग महाकुंभ को मनाते हैं। ये देश के लिए गर्व की बात है।

हेमंत कटारे भटके

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हमारे साथ सचिन यादव, हेमंत कटारे भी आए हैं। अभी वो भटक गए हैं उनके परिवार के साथ। बाकी कई साथियों के साथ हम लोग आए हैं। हम पूरे प्रदेश के लिए कामना करते हैं।

जैन धर्मगुरु का भोपाल में पहला आगमन

आचार्य विषद सागर बोले-जब तक मुनियों का सम्मान रहेगा, तब तक जैन धर्म रहेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आचार्य विराग सागर महाराज के प्रथम दीक्षित शिष्य आचार्य विषद सागर महाराज का पहली बार आगमन हुआ। उनका स्वागत बस स्टैंड चौराहे पर किया गया। आचार्य जी ने सुबह भानपुर से चौक तक पद विहार किया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जब तक मुनियों का सम्मान रहेगा, तब तक जैन धर्म रहेगा। दिगंबर जैन मुनि की चर्या जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाती हैं।

पंचायत कमेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा के नेतृत्व में जैन समाज ने उनकी अगवानी की। स्वागत में बैंड-बाजे बजे और जैन ध्वजाएं लहराई गईं। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह रंगोली सजाई। आचार्य श्री की आरती उतारी गई और पाद प्रक्षालन किया गया। इस मौके पर आचार्यश्री के साथ 8 पिच्छी धारी मुनिराज भी थे। आचार्य श्री की अगवानी के दौरान मंगलाचरण किया गया और आचार्य श्री के चित्र के सामने दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा, मंत्री मनोज आर एम, उपमंत्री दिलीप मिंग, विपिन, कोषाध्यक्ष हुकमचंद, ट्रस्टी अरविंद जैन रोडवेज, ऋषभ कोतवाली, सुनील पब्लिशर्स और अभिराज एडवोकेट ने दीप प्रज्वलित किए।

कार्यक्रम में शास्त्र भेंट और बच्चों द्वारा पूजन भक्ति भाव से की गई। महिला मंडल, बहु मंडल, महासमिति और जिनवाणी समिति, पाठशाला परिवार ने श्री फल भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के मंत्री मनोज आर एम ने किया। आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज बांगा और मंत्री मनोज आर एम ने बताया कि कल भगवान आदिनाथ का केवल्य ज्ञान कल्याणक दिवस मनाया जाएगा, जिसमें आचार्य संघ के सानिध्य में भगवान आदिनाथ के अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं भक्ति कार्य किए जाएंगे।

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
के दूरदर्शी नेतृत्व में
देश का हृदय प्रदेश लिख रहा
विकास की नई गाथा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

उद्घाटन

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा
गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11195/24

CII Confederation of Indian Industry

24 फरवरी, 2025 | प्रात: 10:00
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

EY Shape the future with confidence

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP www.investmp.in